A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 17 सितंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 336, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सीएम ब्लॉग

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी-स्वदेशी का संकल्प और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक : डॉ. मोहन यादव

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है,
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है,
समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।

यह उद्घोष करने वाले हमारे प्रेरक, मार्गदर्शक और भारत निर्माण के दृष्टा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं। हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी आज इस विशेष दिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। उनकी इस यात्रा से प्रदेश को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वे धार जिले के भैंसोला ग्राम में देश के पहले 'पीएम मित्र पार्क' की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वे 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार और पोषण अभियान' तथा 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े का शुभारंभ करेंगे। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ।

प्रधानमंत्री जी का संपूर्ण जीवन परिश्रम, पुरुषार्थ और सेवा के प्रेरणादायी संकल्प की यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लेकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा आरंभ की, जो प्रधानमंत्री के रूप में भी ध्येयनिष्ठ रही है। उनके लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है। यह उनके राष्ट्र निर्माण और देशहित में लिए गए निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज भारत की गणना विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में हो रही है।

उनके प्रत्येक निर्णय में राष्ट्र की नींव को सशक्त करने की झलक है। कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करना और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद श्रीरामलला को अपने जन्म स्थान अयोध्या में प्रतिष्ठित करने में उनकी पहल अविश्वसनीय है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक पहचान के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियों को समाप्त किया और समाज में एकत्व का भाव स्थापित किया। उनका दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उनके मार्गदर्शन में जनकल्याण, आर्थिक सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही सबसे पहले उन्होंने देशवासियों के स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अभियान छेड़ा। वे स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान पहुँचे। गांव-गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर मध्यप्रदेश की जनता भी इस अभियान में जुट गई और गांव से लेकर नगर तक स्वच्छता अभियान में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बना। इंदौर ने लगातार 8 बार देश में स्वच्छ शहर के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्री मोदी जी ने आम नागरिक को आधुनिक चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की, जिससे गरीब और असहाय परिवारों को उपचार में सहायता मिली। इस योजना से 40 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। समाज को अपने सांस्कृतिक गौरव के प्रति आत्मविश्वास उत्पन्न कराने के लिये प्रधानमंत्री जी ने हमें 'विरासत के साथ विकास' का नारा दिया। भारतीय संस्कृति के गौरव और आधुनिकता के संतुलन को साधते हुए उन्होंने लोगों में आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई।

मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। जब उन्होंने कार्यभार संभाला था तब भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था था। केवल ग्यारह वर्षों में भारत चौथे स्थान पर पहुंचा और अब तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। तेल आयात, व्यापार, रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार में भारत ने नई मिसाल कायम की है। आयुध निर्यातक देश के रूप में भी भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया। 'स्पेस टेक्नोलॉजी' में भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर तिरंगा फहराकर विश्व को चकित कर दिया और विज्ञान तथा तकनीक में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जो कहते हैं उसका क्रियान्वयन भी करते हैं। उन्होंने इसी वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से जीएसटी रिफॉर्म की घोषणा की थी और एक माह के भीतर इसे लागू करने का निर्णय ले लिया। इस फैसले से देश की कर-प्रणाली सरल होगी, महंगाई कम होगी और आर्थिक न्याय के साथ समावेशी विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री जी की आर्थिक नीतियों ने निवेश, उत्पादन और रोज़गार के क्षेत्र में नई संभावनाएं निर्मित की हैं। ये नीतियाँ देशवासियों को राहत देने के साथ वैश्विक स्तर पर भारत के आत्म-सम्मान का प्रतीक बनी। अमेरिका जैसी आर्थिक महाशक्ति ने भारत पर भारी टैरिफ लागू कर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन श्री मोदी जी की रणनीति ने उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। रूस और चीन के साथ सहयोग कर नए व्यापारिक मार्ग स्थापित करना और जीएसटी जैसे आर्थिक सुधार लागू करना उनकी कुशल और निर्णायक नेतृत्व क्षमता का परिणाम है।

प्रधानमंत्री जी का लक्ष्य है कि देश का युवा आत्मनिर्भर बने और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाए। युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप रोज़गार देने के लिए उन्होंने 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना' लागू की। इसका उद्देश्य साढ़े तीन करोड़ से अधिक युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में युवाओं को कौशल विकास, स्वरोज़गार, स्टार्टअप, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। मुद्रा योजना के तहत लगभग 52.5 करोड़ छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके व्यवसाय को गति दी गई।

प्रधानमंत्री जी का मानना है कि किसी भी परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के लिए अनेक योजनाएँ लागू की हैं। उज्ज्वला योजना से 10.33 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और उन्हें सम्मान जनक जीवन जीने का अवसर भी मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ से अधिक लोगों को संपत्ति का अधिकार मिला। महिला आरक्षण लागू कर उन्होंने महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता को बढ़ावा दिया। 'लखपति दीदी अभियान' के माध्यम से 3 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में उन्होंने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने जनकल्याण की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए। 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत 81 करोड़ से अधिक नागरिकों को निःशुल्क खाद्यान्न दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य में सुधार हुआ। 'जल जीवन मिशन' के तहत 15 करोड़ से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचाया गया। इन योजनाओं ने देश के हर वर्ग को सीधे लाभ पहुँचाया।

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' से वे देश के हर जन-मन से जुड़े, हरेक की समस्या को जाना और समाधान पहुँचाने का प्रयास किया। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद का सामना और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने अनेक निर्णय लिए। 'ऑपरेशन सिंदूर' से भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया और विश्व को भारत की शक्ति से परिचित कराया। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व सेवा, त्याग, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। उनके द्वारा चलाए गए कार्यक्रमों ने आम नागरिक को राहत दी, स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की, आर्थिक विकास की राह दिखाई, सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा दिया। उनके नेतृत्व में भारत ने संघर्ष से समाधान, संकट से अवसर और सीमित संसाधनों से वैश्विक प्रतिष्ठा की यात्रा तय की है।

आज प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर हम यह संकल्प लें कि उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्रहित में कार्य करेंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। देश को विश्व शक्ति बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी ने सेवा और स्वदेशी का आह्वान किया है। मुझे विश्वास है कि प्रदेश के कपास उत्पादक क्षेत्र में टैक्सटाइल उद्योग के लिए स्थापित होने वाला 'पीएम मित्र पार्क' प्रधानमंत्री जी की स्वदेशी की संकल्पना को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश को मिलने वाले इस आशीर्वाद से हम सभी अभिभूत हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका कल्याण' करने वाले युगदृष्टा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को पुनः जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ...।

सुप्रभात

क़ीमत बड़ी चुकाई ज़रा से उधार की
नथनी के बदले नथ पे नज़र थी सुनार की
अब क्या मिसाल दीजिए क़िस्मत की मार की
घर में कुँआरी रह गई बेटी कहार की
सीने को छोड़ो पीठ पे बांधा करो कवच
इस दौर की लड़ाई है पीछे से वार की
मुर्दे पे ख़ाक डाल के हाथों को झाड़ के
हंस हंस के बातें होने लगी कारोबार की
ये ज़िंदगी सुनार है और मौत है लोहार
लाज़िम है सौ सुनार कि और इक लोहार की
थमते ही रक्स चाक का थमती है ज़िन्दगी
मिट्टी में मिट्टी होती है मिट्टी कुम्हार की
पत्थर दुबारा आदमी होते ही रो पड़ा
हद हो गई थी सब्र की और इंतज़ार की
अय रहनुमा ख़ुदा न बनो आदमी रहो
इतनी सी इल्तिजा है 'विजय' ख़ाकसार की।

- **विजय तिवारी 'विजय'ह्य**

पीएम मोदी आज 17 सितम्बर को मध्यप्रदेश के धार जिले के भैंसोला ग्राम आएंगे

देश के पहले पीएम मित्र पार्क का करेंगे शिलान्यास

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण अभियान और आदि सेवा पर्व का करेंगे शुभारंभ

एक बगिया माँ के नाम के अभियान में समूह की महिला को पौधे करेंगे भेंट

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितम्बर को मध्यप्रदेश के धार जिले के ग्राम भैंसोला आएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण' अभियान और 'आदि सेवा पर्व', का शुभारंभ करेंगे। साथ ही देश के पहले 'पीएम मित्र पार्क' का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे।

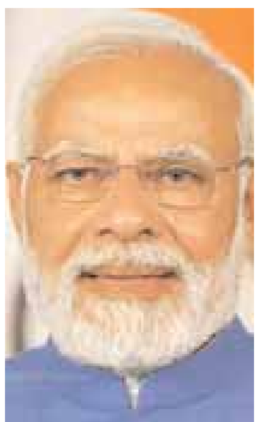

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण अभियान- महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में यह अभियान ऐतिहासिक कदम है। अभियान का संचालन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से करते हुए महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता लाने स्वास्थ्य शिविरों और स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से निवारक, संवर्धनात्मक और उपचारात्मक सेवाओं की आपूर्ति करेंगे। दोनों विभागों द्वारा संचालित होने वाले इस विशेष अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है, जिससे वे निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें। स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। इस अभियान में महिलाओं की व्यापक स्वास्थ्य जांच भी होगी।

प्रधानमंत्री मित्र पार्क

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शिलान्यास किये जा रहे पीएम मित्र पार्क का सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के कपास उत्पादकों को मिलेगा। लगभग 2158 एकड़ में विकसित होने वाला पीएम मित्र पार्क विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां 20 एमएलडी का कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, 10 एमवीए का सौर ऊर्जा संयंत्र, पानी और बिजली की पुख्ता आपूर्ति, आधुनिक सड़कें और 81 प्लग-एंड-प्ले यूनिट्स जैसी व्यवस्थाएँ विकसित की जा रही हैं। श्रमिकों और महिला कर्मचारियों के लिए आवास और सामाजिक सुविधाएं इसे केवल औद्योगिक क्षेत्र नहीं, बल्कि आदर्श औद्योगिक नगर का रूप देती हैं।

पीएम मित्र पार्क में देश की अग्रणी टैक्सटाइल कंपनियों ने भरोसा जताते हुए अब तक 23 हजार 146 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव दिये हैं। यह निवेश उद्योगों की स्थापना के साथ स्थानीय लोगों के लिए नए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

पीएम के जन्मदिन पर भोपाल के हाट बाजार में स्वदेशी मेले का सीएम ने किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भोपाल के हाट बाजार में मंगलवार से स्वदेशी मेला शुरू हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, कल का दिन खास है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाया जाएगा। महिलाओं की सभी प्रकार की जांच पूरे प्रदेश में होगी। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश में 6 लाख से अधिक किसान परिवार कपास की खेती करते हैं। किसान कॉटन उत्पादन में योगदान देते हैं और कपास उगाते हैं। फिर इससे धागा-कपड़ा बनता है।

मुख्यमंत्री ने पुलिस उपायुक्त को हटाया, घायलों का हालचाल पूछा

ट्रक हादसे में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई

इंदौर। सोमवार शाम एयरपोर्ट रोड पर हुई ट्रक दुर्घटना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने चिंता व्यक्त की। मंगलवार को मुख्यमंत्री इंदौर आए और अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रथमदृष्ट्या कुछ लोगों की गलती सामने आई है, जिन पर कार्रवाई की गई है। पुलिस उपायुक्त (यातयात) अरविंद तिवारी को हटाकर पुलिस मुख्यालय भोपाल में अटैच किया गया। प्रेम सिंह एएसआई, चंद्रेश मारावी सूबेदार सुपर कोरिडोर चौराहा, दीपक यादव निरीक्षक एरोड्रम थाना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही ड्यूटी पर तैनात चारों कांस्टेबल निलंबित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सोमवार रात को ही एसीएस (होम) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए थे। अब वे घटना की जांच कर रिपोर्ट देंगे, जिस पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि

कांस्टेबल पंकज यादव तथा ई-रिक्शा चालक अनिल सिंह ने कल अच्छा काम किया, उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। ऐसे और लोगों का भी पता लगाकर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि उन्होंने नगर निगम, जिला प्रशासन सहित अन्य विभागों को आगे से ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए प्लान बनाने को कहा है। ट्रैफिक के दबाव वाले मार्गों का आकलन कर उसके लिए प्लान तैयार किए जाएंगे। जहां एलिवेटेड रोड या ब्रिज की जरूरत पड़ेगी, उसे भी बनाएंगे। इंदौर में आगे से ऐसी घटनाएं न हो यह सुनिश्चित किया जाएगा। कैमरे आदि का इस्तेमाल कर भी इन्हें रोकने की कोशिश की जाएगी।

- **आठ को निलंबित किया-** आठ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित करने के आदेश जारी किए गए हैं। ये हैं सुदेश सिंह (सहायक पुलिस आयुक्त), प्रेम सिंह (प्रभारी एएसआई बिजासन प्रभारी), चंद्रेश मरावी (प्रभारी सूबेदार सुपर कोरिडोर चौराहा प्रभारी), दीपक यादव (निरीक्षक सुपर कॉरिडोर से एरोड्रम प्रभारी) और ड्यूटी पर तैनात सभी चार कांस्टेबलों को निलंबित कर दिया गया।
- **मृतकों के परिजनों को सहायता-** मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की सहायता और घायलों को एक-एक लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई। घायलों के इलाज का पूरा खर्च भी सरकार वहन करेगी। इस दुर्घटना में जिनके ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हुए है उनको सरकार नए ऑटो दिए जाएंगे।

मंदिरों-घरों में भरा पानी

● उत्तराखंड में बाढ़ और बारिश ने फिर से बरपाया कहर ● देहरादून में बादल फटा, मंदिर, दुकानों-घरों में मलबा घुसा ● टोंस नदी में ट्रैक्टर बहने से 8 लोगों के मरने की है खबर

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के देहरादून में मंगलवार सुबह 5 बजे बादल फटा। इससे तमसा, कारलीगाड़, टोंस और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा में 5 लोगों को बचाया गया। विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज हो गया। इस दौरान मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई।

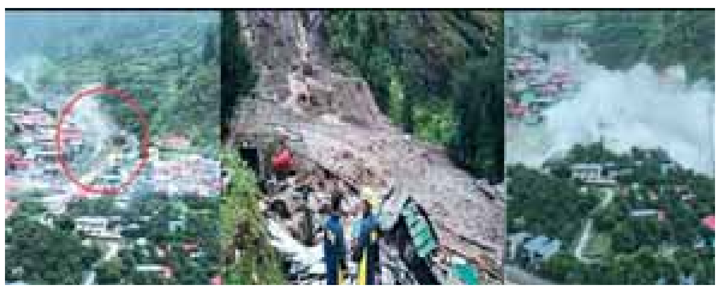

सहस्त्रधारा समेत आसपास के इलाके तपोवन, आईटी पार्क, घंगौरा, घड़ी कैंट इलाकों में पानी भर गया। कई सड़कें बह गईं। तमसा नदी के किनारे बने टपकेश्वर महादेव मंदिर में पानी भर गया। यहां मौजूद दुकानें बह गईं। 2 लोग लापता हैं। इसमें 8 लोगों की मौत और 4 के लापता होने की खबर है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। टपकेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी ने बताया, सुबह 5 बजे नदी में बाढ़ आई, पूरा मंदिर डूब गया, कई मूर्तियां बह गईं। हालांकि, गर्भगृह सुरक्षित है। पानी उतरने पर मंदिर में 2 फीट मलबा दिखा। हिमाचल के मंडी के धर्मपुर बस स्टैंड में भी रात में हुई बारिश के बाद मलबा भर गया। बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं। राज्य में 3 नेशनल हाईवे बंद हैं। 493 सड़कों पर आवाजाही ठप है। मंडी के ही निहरी में लैंडस्लाइड के कारण 3 की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, पास की एक चट्टान का मलबा एक घर पर गिर गया, जिससे वह ढह गया। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए। सोमवार को भारी बारिश ने महाराष्ट्र के मुंबई में रेलवे ट्रैक, सब-वे और सड़कों पर पानी भर गया। बीड में 11 ग्रामीणों को वायुसेना ने एयरलिफ्ट किया।

लखनऊ के कैसरबाग इलाके में एक भारी पेड़ गिर गया है। 10 से ज्यादा लोगों के दब गए हैं। मौके पर नगर निगम की टीम रवाना पहुंच गई है।

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 17 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अब जनरल रिजर्वेशन में भी आधार वेरिफिकेशन जरूरी

● तत्काल के बाद रेलवे का बड़ा फैसला, कहा-कालाबाजारी कम होगी ● पहले 15 मिनट सिर्फ आधार ओटीपी से बुक कर सकेंगे ट्रेन टिकट

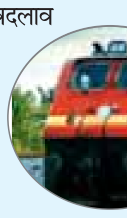

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन रेलवे 1 अक्टूबर से ऑनलाइन टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव करने जा रही है। रेल मंत्रालय ने ऐलान किया है कि अब तत्काल टिकट की तरह ही जनरल रिजर्वेशन (सामान्य आरक्षण) टिकट की बुकिंग करते वक्त भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। रेल मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार आईआरसीटीसी वेबसाइट या एप पर जनरल रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट में टिकट बुक करने के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की टिकटों की कालाबजारी और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी। अगर आपका अकाउंट पहले से आधार से लिंक है, तो बुकिंग आसान रहेगी। वेटिंग कम होगी, और टिकट्स जल्दी कन्फर्म होंगे। रेलवे के कंप्यूटरीकृत काउंटरों पर जनरल रिजर्वेशन टिकट बुक करने का पुराना शेड्यूल वही रहेगा। साथ

ही, रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट्स के लिए पहले दिन टिकट बुकिंग पर 10 मिनट की पाबंदी भी बिना किसी बदलाव के जारी रहेगी। कई बार देखा गया कि टिकट बुकिंग शुरू होते ही कुछ ही मिनटों में बिक जाते थे, क्योंकि दलाल और फर्जी एजेंट्स सॉफ्टवेयर या गलत तरीकों से टिकट बुक कर लेते थे। इससे आम यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो जाता था। नए नियमों का मकसद यही है कि टिकट बुकिंग का मौका सिर्फ असली यात्रियों को मिले और फर्जीवाड़ा रुके।

जैश ने माना, ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया मसूद का परिवार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने पहली बार माना है कि उसके सरगना मौलाना मसूद अजहर के परिवार के कई सदस्य ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमले में मारे गए। जैश के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह कहता है कि 7 मई को बहावलपुर में भारत की कार्रवाई में अजहर के परिवार के लोगों के टुकड़े-टुकड़े हो गए, उनका कीमा बन गया था। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में हमला किया था। ऑपरेशन के दौरान बहावलपुर समेत पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

अफसर के घर मिले 2 करोड़ के जेवर

92 लाख कैश भी बरामद

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सिविल सेवा की अधिकारी नूपुर बोरा को आय से ज्यादा संपत्ति रखने के आरोप में हिरासत में लिया गया। स्पेशल विजिलेंस टीम ने नूपुर के गुवाहाटी वाले घर पर छापा मारा। जहां से 92 लाख नकद और लगभग 2 करोड़ के जेवर बरामद किए गए। एक दूसरी टीम ने बारपेटा में उनके किराए के घर पर भी छापा मारा, जहां से करीब 10 लाख नकद बरामद हुए। विजिलेंस ने नूपुर के सहयोगी लाट मंडल सुरजीत डेका के घर भी छापा मारा। नूपुर पर आरोप हैं कि उन्होंने बारपेटा रेवेन्यू सर्किल में रहते हुए पैसे के बदले हिंदुओं की जमीन संदिग्ध व्यक्तियों के नाम की थी। फिलहाल नूपुर कामरूप के गोरोइमारी में सर्किल ऑफीसर हैं। सीएम सरमा ने कहा कि विवादित जमीन मामलों में नाम जुड़ने की शिकायतों के बाद कार्रवाई की गई है।

रोक सको तो रोक लो हम हैं यहां के 'सिकंदर'

बढ़ा निर्यात, ट्रंप को होगी चिढ़

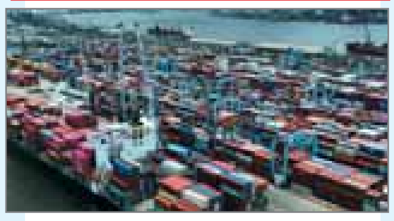

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के व्यापार के लिए अच्छी खबर है। अगस्त 2025 में जहां देश का एक्सपोर्ट (निर्यात) बढ़ गया तो वहीं इम्पोर्ट (आयात) में कमी आई है। यानी अब सामान से ज्यादा बाहर जा रहा है। भारत ने अगस्त 2025 में कुल मिलाकर 69.16 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह पिछले साल के अगस्त महीने से 9.34 प्रतिशत ज्यादा है। कॉमर्स मिनिस्ट्री के डेटा से यह जानकारी मिली है। अगस्त 2024 में यह आंकड़ा 63.25 अरब डॉलर था। अगस्त 2025 में सामान का निर्यात 32.89 अरब डॉलर से बढ़कर 35.10 अरब डॉलर हो गया। वहीं, सेवाओं का निर्यात 30.36 अरब डॉलर से बढ़कर 34.06 अरब डॉलर हो गया। इसका मतलब है कि दोनों ही क्षेत्रों में बढ़ोतरी हुई है। इस बार अमेरिका में टैरिफ बढ़ने से डर बना था।

नपाई में मिले 22 अतिक्रमण, नोटिस जारी कर हटाया जाएगा

10 मीटर चौड़ा होगा लिंक रोड, विभाग ने शुरू की प्रक्रिया

संजय द्विवेदी, बैतूल।

शहर की सड़कों का विस्तार और चौड़ीकरण किया जा रहा है। जिससे वाहन चालकों को सुविधाएं मिलेगी, वहीं ट्रॉफिक व्यवस्था में भी सुधार आयेगा। वैसे तो शहर की अधिकांश प्रमुख सड़कें टू-लेन बन चुकी या बन रही हैं। जो सडके शेष रह गई है, उन्हें भी अब टू-लेन में बदलने की तैयारी चल रही है। कोतवाली चौक से लल्ली चौक के बाद अब लिंक रोड को चौड़ा कर 10 मीटर बनाया जा रहा है। इसके लिए विभागों ने सड़क की नपाई शुरू कर दी है। इस दौरान विभाग को करीब 22 अतिक्रमण मिले है, जिन्हें चिन्हित करके लाल पेंट से निशान लगाए गए है। यहां उल्लेखनीय है कि कारगिल चौक से बच्चा जेल चौक तक 10 मीटर चौड़ी डामर की सड? का निर्माण किया जाना है। और उसके बाद की 2140 मीटर हिस्से पर सीसी रोड बनेगा। राजस्व और नगरपालिका अमले ने सडक निर्माण के लिए एक-एक कर मार्किंग की। विभाग को शुरू से लेकर आखिरी तक 22 अतिक्रमण मिले। इसी सड़क का कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने नपा सीएमओ सतीश मटसेनिया, आरआई बृजगोपाल परते, अखिल राय और राजस्व विभाग अमले के आरआई भीमराव पोर्टफोडे, पटवारी गोपाल मसकी, धर्मेंद्र पवार आदि के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि टीएनसीपी अनुसार स्वीकृत सड़क की ही मार्किंग की जाए, जब विभाग के कर्मचारियों ने नापना शुरू किया, तो मकानों के न सिर्फ परिसरों में बल्कि अंदर तक जाकर लाल रंग के पेंट से निशान बनाने पड़े।

मकानों के परिसर तक मिला अतिक्रमण -लिंक रोड को चौड़ा कर 10 मीटर चौड़ी बनाने नपाई शुरू हुई, तो पूरी सडक अतिक्रमण की चपेट में निकली। घरों के दरवाजे और भीतर तक मार्किंग की गई। कई आलीशान कार वाले घरों के भीतर तक अतिक्रमण मिला। नपाई में 22 अतिक्रमण चिन्हित करके लाल पेंट से निशान लगाए। गौरतलब है कि इस सड़क के दूसरे छोर पर पीडब्ल्यूडी के ईई का कार्यालय और वर्कशॉप है। इसके बाद भी इस सड़क पर 22 अतिक्रमण हो गए। खासबात यह है कि इसमें सरकारी अतिक्रमण भी था, बिजली कंपनी के कार्यालय की बाउंड्री और गेट, पिलर अतिक्रमण में निकले हैं। बताया जा रहा है कि जिन मकानों व प्रतिष्ठानों का निर्माण अतिक्रमण की श्रेणी में आता है, उन्हें नोटिस देकर हटाने की कार्यवाही की जायेगी।

पांच वार्डो से गुजरती है सड़क - उल्लेखनीय है कि 7.89 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली कारगिल चौक से अखाड़ा चौक होते हुए गाड़ाघाट ओल्ड एनएच तक 2.70 किमी की सड़क नपा बैतूल के महावीर, चंद्रशेखर, प्रताप, इंदिरा एवं अम्बेडकर वार्डो से गुजरती है। इसके अलावा शहर के उक्त व्यस्ततम मार्ग में लिंक रोड पर बड़ी संख्या में हॉस्पिटल, मेडिकल स्टोर्स, बडे स्कूल, कोचिंग संस्थान सहित अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्थित है। साथ ही अखाड़ा चौक टिकारी में प्रसिद्ध हनुमान मंदिर स्थित है। जिसके चलते इस मार्ग पर वाहनों का मूव्हमेंट अधिक होने से अक्सर ट्रैफिक जाम रहता है। इस अतिव्यस्तम सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। सड़क निर्माण परियोजना पूरी होने से यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा और आवागमन सुलभ हो जाएगा।

अभी 7 मीटर है सड़क, 10 मीटर होगा चौड़ा -अभी कारगिल चौक से गाड़ाघाट तक लिंक रोड की चौड़ाई करीब 7 मीटर है। टू-लेन निर्माण के लिए इसको करीब 10 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। सडक की चौड़ाई बढने से वाहन चालकों को आवागमन में फायदा मिलेगा। इटारसी रोड गाड़ाघाट से सीधे कारगिल चौक पहुंचा जा सकेगा। अभी भी इसी मार्ग से लोग आना-जाना करते हैं, लेकिन मौजूदा सड़क पूरी तरह से उखड़ चुकी है और कई जगह सकरी है। जिसके कारण बड़े वाहन नहीं आ पाते हैं। टू-लेन बनने से इस सड़क से आवागमन आसान हो जाएगा। वहीं टिकारी क्षेत्र के रहवासियों को भी इस सड़क के बनने से फायदा होगा। वे भी सीधे गंज रेलवे स्टेशन व कोठीबाजार बस स्टैंड पहुंच सकेंगे। लेकिन इस सडक़ पर कई लोगों ने कब्जा कर बाउंड्रीवाल और घर की दीवारें तक खड़ी कर ली है।

इनका कहना है -

हमारे द्वारा सड़क की मार्किंग का काम किया जा चुका है। इस दौरान लगभग 22 अतिक्रमण चिन्हित किए गए है। नोटिस जारी कर संपत्ति मालिकों को 17 सितंबर तक स्वतः अतिक्रमण हटाने का कहा गया है। यदि वह स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाते हैं तो नपा का अमला उनके अतिक्रमण हटाएगा।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नपा बैतूल

सडक हमारे क्षेत्राधिकार में है। हम इसके निर्माण की तैयारी कर रहे है। निरीक्षण और काम शुरू करवाने की तैयारी चल रही है। नपाई के समय हमारा अमला यहां मौजूद था।

- डीएस परमार, एसडीओ, पीडब्ल्यूडी बैतूल

भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान में संयोजक विजयदत्त श्रीधर द्वारा प्रस्तुत 'समाज का भाषा संकल्प' का लोकार्पण 15 सितंबर को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने किया। इस अवसर पर मंत्रीद्वय श्री राकेश सिंह एवं श्री धर्मेन्द्र लोधी, अपर मुख्य सचिव, संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ल, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजयमनोहर तिवारी, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक डा. मुकेश मिश्र, वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्री श्रीराम तिवारी, संचालक-संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव, पद्मश्री विष्णु पण्ड्या एवं विद्वान वक्ता गण और 1500 से अधिक भाषा अनुरागी श्रोता गण उपस्थित थे।

माता-पिता के जीवित रहते पोते-पोतियों को नहीं मिलेगी संपत्ति

● हिंदू उत्तराधिकार कानून पर आ गया है हाईकोर्ट का बड़ा फैसला ● एचसी ने कहा-दादा-दादी की संपत्ति पर नहीं कर सकते हैं दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदू उत्तराधिकार कानून पर दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। अदालत ने कहा कि अगर माता-पिता जीवित हैं, तो पोते-पोतियां अपने दादा-दादी की संपत्ति में हिस्सेदारी का दावा नहीं कर सकते। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कृतिका नाम की एक महिला की ओर से दायर एक दीवानी मुकदमे को खारिज कर दिया। इसमें उसने अपने दिवंगत दादा के स्वामित्व वाली पश्चिमी दिल्ली की एक संपत्ति में अपने हिस्से की मांग उठाई थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के तहत, एक मृतक हिंदू की संपत्ति प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारियों को हस्तांतरित होती है। इसमें मृतक की पत्नी, बेटे, बेटी और माता शामिल हैं। हालांकि, पोते-पोतियां इसमें शामिल नहीं हैं, जिनके माता-पिता अभी भी जीवित हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि वादी कृतिका का पूरा मामला इस धारणा पर आधारित है कि ये संपत्ति उनकी पैतृक संपत्ति है। अदालत ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत भारत में हिंदुओं के बीच बिना वसीयत के उत्तराधिकार से संबंधित कानून में भारी बदलाव आया है।

पाक डिप्टी पीएम ने सीजफायर पर ट्रम्प का दावा किया खारिज

● इशाक डार बोले-भारत ने कभी भी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की

दोहा (एजेंसी)। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाने का अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का दावा खारिज कर दिया। उन्होंने मंगलवार को अलजजीरा को दिए इंटरव्यू में पहली बार माना है कि भारत ने कभी भी दोनों देशों के बीच किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की। एंकर ने उनसे पूछा था क्या आप संघर्ष के दौरान विवाद सुलझाने के लिए तीसरे पक्ष को शामिल करने के लिए तैयार थे। इस पर इशाक डार ने कहा कि हमें कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन भारत ने साफ तौर पर कहा है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है। ट्रम्प ने 10 मई को सबसे पहले दोनों देशों में सीजफायर जानकारी दी थी, जिसके बाद से वे करीब 30 से ज्यादा बार सीजफायर क्रेडिट ले चुके हैं। हालांकि, भारत साफ तौर पर कह चुका है कि सीजफायर आपसी बातचीत से हुआ है, इसमें किसी तीसरे पक्ष का कोई रोल नहीं है। भारत-पाकिस्तान के बीच 7 मई को संघर्ष शुरू हुआ था, जो 10 मई तक चला था। इसके बाद डार ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से पूछा था कि क्या अमेरिका, भारत और पाकिस्तान के बीच का विवाद सुलझा रहा है। इस पर रूबियो ने कहा कि भारत का साफ मानना है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है। डार ने यह भी कहा कि हम विवाद सुलझाने के लिए किसी से भी बातचीत के लिए तैयार हैं और मानते हैं कि बातचीत ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

गोरखपुर में पशु तस्करों ने की नीट छात्र की हत्या

एसपी घायल, बवाल-आगजनी, योगी बोले-दोषियों को बख्शेंगे नहीं

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में पशु तस्करों और ग्रामीणों में भिड़ंत हो गई। पशु तस्करों ने नीट की तैयारी कर रहे छात्र को खींच लिया। उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। लाश को घर से 4 किमी दूर फेंक दिया। साढ़े चार घंटे बाद घरवालों को छात्र की खून से लथपथ लाश मिली। उसका सिर कुचला हुआ था। दरअसल, मामले की शुरुआत सोमवार रात साढ़े 11 बजे हुई। 10-12 पशु तस्कर दो गाड़ियों (पिकअप) से पिपराइच के मऊआचापी गांव पहुंचे। गांव के एंट्री पॉइंट पर ही दुर्गेश गुप्ता की फर्नीचर की दुकान थी। तस्करों ने जब सुनसान जगह देखी तो लूट के इरादे से दुकान का ताला तोड़ने लगे। उस वक्त दुकान के ऊपरी मंजिल में ट्रैवल का ऑफिस था। यहां दुर्गेश की बहन का लड़का सो रहा था। शटर खड़खड़ाने की आवाज हुई तो वह उठ गया।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट जाएगी योगी सरकार

● रिवीजन याचिका दाखिल करेगी, सीएम बोले-हमारे टीचर्स योग्य

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार टीईटी की अनिवार्यता के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ रिवीजन याचिका दाखिल करेगी। सीएम योगी ने बेसिक शिक्षा विभाग को इसका आदेश दिया है। उन्होंने कहा- हमारे टीचर अनुभवी हैं।

सरकार उन्हें प्रशिक्षण देती है। उनकी योग्यता को नजरअंदाज करना ठीक नहीं है। दरअसल, 1 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में टीचर्स के लिए टीईटी अनिवार्यता का फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था- जो टीचर टीईटी पास नहीं कर पाएंगे, उन्हें नौकरी छोड़नी होगी। कोर्ट के इस फैसले ने लाखों टीचर्स की चिंता बढ़ा दी। वो परेशान हैं। यूपी पहला राज्य है जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ रिवीजन याचिका दाखिल कर रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, यूपी में बेसिक विभाग में करीब 2 लाख टीचर्स हैं, जो कि टीईटी पास नहीं है। ये देश के किसी राज्य में सबसे अधिक संख्या है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उनकी नौकरी पर संकट आ गया है। राज्य में पहली बार टीईटी 13 नवंबर 2011 को हुई थी। प्रदेश में टीईटी एग्जाम के खौफ से दो टीचर्स जान दे चुके हैं। शनिवार को हमीरपुर में 52 साल के सरकारी टीचर ने सुसाइड कर लिया।

अयोध्या राम मंदिर में सेंसरयुक्त बाउंड्री वॉल का निर्माण शुरू

● 14 फीट चौड़ी और 30 फीट ऊंची बनेगी दीवार, अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में साढ़े तीन किमी लंबी बाउंड्री वॉल बनाई जा रही है। सोमवार को स्वायल टेस्ट (जमीन का परीक्षण) के बाद पाइलिंग शुरू हुई। करीब 500 से अधिक पिलर डालकर 14 फीट चौड़ी दीवार बनाई जाएगी। यह बाउंड्री वॉल केवल संरचना नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच भी होगी। इस बाउंड्री वॉल में सीसीटीवी कैमरे, 24 से अधिक वॉच टावर और आधुनिक सेंसर लगाए जाएंगे। किसी संदिग्ध गतिविधि पर अलार्म सीधे कंट्रोल रूम तक पहुंचाएगा। बाउंड्री की ऊंचाई 30 फीट होगी। जिसमें 10 फीट जमीन के भीतर और 20 फीट ऊपर होगी। इसके साथ ही गश्ती दल के लिए 20 फीट चौड़ी सड़क भी बनाई जा रही है। अनुमान है कि इस सुरक्षा दीवार को पूरा करने में करीब एक साल का समय लगेगा। अयोध्या में भव्य राम

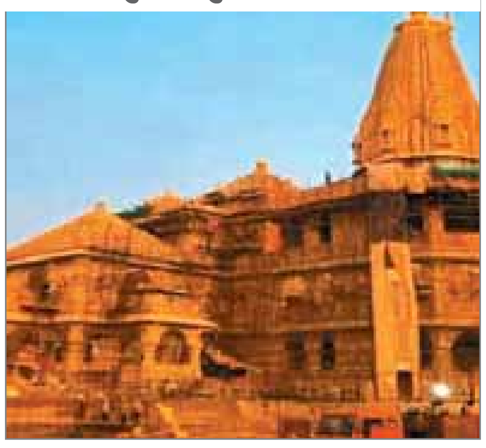

मंदिर निर्माण से पहले नींव की मजबूती को परखने के लिए खास परीक्षण किया गया था। मंदिर परिसर में सौ मीटर लंबाई में बराबर दूरी पर 3 पिलर बनाए गए थे। यह पिलर सतह से 50 फीट गहराई में डाले गए थे। इन पर सात-सात सौ टन भार डालकर ताकत का परीक्षण किया गया। इस दौरान बीच का पिलर बलुई मिट्टी के कारण धंसकर तिरछा हो गया। इसके बाद सीएसआईआर की जियोफिजिकल टीम ने दोबारा सर्वे किया और उनकी सलाह पर 50 फीट गहराई तक दो लाख घन फुट मिट्टी निकालकर चट्टाननुमा आधार तैयार किया गया। फिर उसके ऊपर 2020 में भूमि पूजन के बाद निर्माण शुरू हुआ। नृपेंद्र मिश्र ने बताया- राम मंदिर आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेजों, घटनाओं और आंदोलनकारियों की भूमिका को दर्शाने के लिए एक आधुनिक संग्रहालय की योजना तैयार की गई है। इसमें 7-डी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।

नीतिश सरकार की अब 18 पार युवाओं पर नजर

● 12वीं पास करने वाले छात्रों की दी विशेष सौगात

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि 12वीं की बोर्ड परीक्षा पास करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा। इससे पहले, सामान्य वर्ग के पुरुष आवेदकों को चार प्रतिशत और महिला, दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर आवेदकों को एक प्रतिशत की ब्याज दर पर चार लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण प्रदान किया जाता था, अब सभी को फायदा दिया जाएगा।

कादरी ने फर्जी कागजात बनवाकर मकान बेचा, नई एफआईआर दर्ज

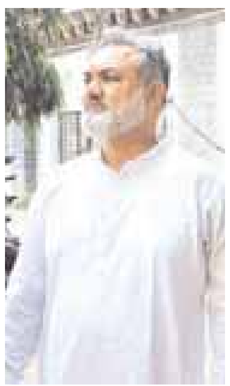

इंदौर। जोहरा बी ने खजराना थाना क्षेत्र में अनवर कादरी सहित समीना बी उर्फ किरण, साजिद खान, मोहम्मद फारूख, सईद मोहम्मद, शादाब खान और जहूर मोहम्मद के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। इस मामले में खजराना पुलिस ने सोमवार को अनवर कादरी को पांच दिन के प्रोडक्शन वारंट पर रिमांड पर लिया है। पुलिस अब उससे अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ करेगी और यह भी जांच की जाएगी कि फर्जी दस्तावेज कहां से और कैसे तैयार करवाए गए। टीआई मनोज सेंधव के अनुसार, अनवर कादरी को पांच दिन की रिमांड पर लिया गया है। जोहरा बी ने पुलिस को बताया कि उनकी किरायेदार समीरा बी उर्फ किरण, पत्नी अब्दुल रशीद ने एक फर्जी 'मुख्तयारनामा' (पॉवर ऑफ अटॉर्नी) तैयार करवाया। इसी आधार पर अनवर कादरी ने 1 नवंबर 2006 को मकान की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली। इस फर्जीवाड़े में कुल पांच लोग और शामिल थे। बाद में उन्होंने मकान को बेच भी दिया। जोहरा बी के अनुसार, वर्तमान में उस घर में तबस्सुम नाम की महिला रह रही है, जिसने कुछ किरायेदार रखे हैं। जोहरा बी ने बताया कि यह मकान उनके माता-पिता का था, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। समीरा वहां किराए पर रहती थी। **कादरी ने रची साजिश-** जोहरा बी ने यह भी बताया कि शादी के बाद वह उस मकान में नहीं जा पाई, इसी का फायदा उठाकर आरोपियों ने अलमारी से मकान के ओरिजिनल दस्तावेज निकाल लिए और फर्जी कागजात तैयार करवा लिए। इस पूरे षड्यंत्र की रूपरेखा अनवर कादरी ने ही बनाई थी। अब पुलिस इस मामले में अनवर कादरी से पूछताछ करेगी। हालांकि, यह मामला लगभग 20 साल पुराना है, लेकिन पुलिस ने हाल ही में अनवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

नाबालिग दृष्टिहीन से दुष्कर्म केस में कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई

इंदौर। दृष्टिहीन बालिका से दुष्कर्म करने वाले 50 साल के आरोपी को जिला कोर्ट ने उम्रकैद की सजा दी है। साथ ही अन्य धाराओं में एक-एक साल के सश्रम कारावास और 2 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। इस मामले में पिछले तीन साल से कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। इस बीच पीड़िता की मौत हो गई। यह घटना 4 सितंबर 2022 की है। किशोरी घर के पास की होटल से चाय पीकर लौट रही थी, तभी आरोपी पप्पू रजक ने उसका हाथ पकड़ा और खींचता हुआ अपने कमरे पर ले गया। जहां उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता ने सारी बात नानी को बताई और नानी के साथ थाने पहुंचकर पप्पू रजक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने दुष्कर्म और धमकी देने को लेकर प्रकरण दर्ज किया और किशोरी को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा। बालिका की मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आरोपी पर अपहरण और पाक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई गईं। साथ ही जिला कोर्ट में चालान पेश किया गया। मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद जिला कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी पप्पू रजक को उम्र कैद और बालिका के अपहरण और जान से मारने की धमकी के मामले में एक-एक साल का सश्रम कारावास और 2 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। शासन की ओर से वर्षा पाठक (विशेष लोक अभियोजक) ने पैरवी की।

31 लाख की धोखाधड़ी के आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। प्रांजल सुरेका की कंपनी भगवती एफकार्प से प्लास्टिक रोल सप्लाई के नाम पर दो अलगङ्कअलग फर्जी कंपनियाँ बनाकर बदमाशों ने 31,33,190 रुपए की धोखाधड़ी की थी। शहर में व्यापारिक लेन-देन के नाम पर धोखाधड़ी एवं आर्थिक अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निर्देश दिए गए थे। क्राइम ब्रांच टीम ने गोपनीय सूचना एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जानकारी मिली थी कि कुछ आरोपी फरियादी की कंपनी भगवती एफकार्प के साथ फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपए की ठगी करके फरार हैं। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना अपराध शाखा इंदौर ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना की। आरोपियों की तलाश में क्राइम ब्रांच की टीम अहमदाबाद एवं पुष्कर रवाना की गई। पुलिस ने मुकेश दर्जी पिता बाबूराम दर्जी, राजूराम दर्जी पिता बाबूराम दर्जी और हमीरा राम दर्जी पिता बाबूलाल दर्जी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

सरकारी स्कूल के 50 विद्यार्थी उद्यमशीलता का लेंगे प्रशिक्षण

भोपाल। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 50 मेधावी विद्यार्थी 22 सितम्बर से उद्यमशीलता रोमांच शिविर में शामिल होंगे। यह शिविर भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित एनसीईआरटी परिसर के पं. सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षण संस्थान में 26 सितम्बर तक आयोजित होगा। इन विद्यार्थियों का चयन जिला स्तर पर आयोजित वोकेशनल स्किल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।उद्यमशीलता रोमांच शिविर कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिये विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और उद्यमशील सोच को विकसित करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों में व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार की सिफारिश की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा देने के विस्तार किया है। शिविर की गतिविधियां उद्यमशीलता रोमांच शिविर में समूह गतिविधियां, सिमुलेशन गेम्स, इस गेम्स के माध्यम से बच्चों को व्यावसायिक मॉडल के माध्यम से नये विचार देने, निर्णय लेने और पूर्वानुमान की क्षमता को विकसित किया जाता है। शिविर में हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से विभिन्न सत्रों में बच्चों को जानकारी दी जायेगी। बच्चों में आत्मनिरीक्षण की प्रवृत्ति को बढ़ाने लक्ष्य निर्धारण और जीवन कौशल विकास के लिये विशेष जानकारी दी जायेगी। यह शिविर बच्चों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, जहां वे अपने विचारों को परिष्कृत करके स्वयं का उद्यम लगाने के लिये प्रोत्साहित होंगे।

दो की घटनास्थल और एक की अस्पताल में मौत, 4 घायल गंभीर, जांच शुरू

कालानी नगर रोड पर ट्रक हादसे में पुलिस की लापरवाही, ट्रक सड़क पर कैसे आया

इंदौर। सोमवार शाम कालानी नगर से एयरपोर्ट रोड पर एक ट्रक करीब एक किलोमीटर तक लोगों को रौंदते हुए दौड़ा। तेज रफ्तार ट्रक ने कई लोगों और वाहनों को कुचला-टक्कर मारी। इस हादसे में घटनास्थल पर 2 लोगों की मौत हुई और एक घायल ने मंगलवार सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया। मुख्यमंत्री दोपहर में घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे।

ट्रक ने करीब 30 लोगों को चपेट में लिया। हादसे के दौरान ट्रक (एमपी 09 झेडपी 4069) में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक की टक्कर के बाद उसमें एक बाइक फंस गई थी। ट्रक लगातार बाइक को रगड़ते हुए चल रहा था, जिससे उसमें ब्लास्ट हो गया और ट्रक में आग लगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने अपर मुख्य सचिव गृह को इंदौर जाने के निर्देश दिए। साथ ही रात 11 बजे से पहले शहर में भारी वाहनों के प्रवेश के कारणों की जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं।

दो मृतकों के शवों को अस्पताल लाया गया। 13 घायलों में से गीतांजलि अस्पताल में 6 घायल, वर्मा यूनियन अस्पताल में 2 घायल, बांठिया अस्पताल में 2 घायल, अरबिंदो अस्पताल में 2 घायल और भंडारी अस्पताल में 1 घायल को भर्ती कराया गया। 4 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ट्रक की एंट्री शहर में नहीं- शहर में शाम के समय ट्रकों की एंट्री बैन रहती है। ऐसे में ये ट्रक नो एंट्री में घुसा। जिसने सवा किलोमीटर के रास्ते में लोगों और कई गाड़ियों को टक्कर मारी। लोगों ने बताया कि 30 से ज्यादा लोगों को ट्रक ने टक्कर मारी। कालानी नगर पर पुलिस ने रोकने की कोशिश की थी, लेकिन ट्रक चालक ने वहां से गाड़ी की रफ्तार बढ़ाकर भगाई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ट्रक के ब्रेक फेल थे और ड्राइवर भी नशे में था। ट्रक के टायर में आग लगने लगी। उसके बाद ट्रक ने जितने लोगों को टक्कर मारी सभी नीचे गिरते चले गए। उसके बाद तीन लोग ट्रक के नीचे आ गए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रक विद्या पैलेस से गुजरते हुए लोगों को रौंदता हुआ निकला। पहले उसने एक महिला को टक्कर मारी उसके बाद एक लाइन से कई लोगों को कुचलते हुए आगे बढ़ता गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक ने सबसे पहले रामचंद्र नगर चौराहे पर दो बाइक सवारों को टक्कर मारी। ये दोनों ही बाइक ट्रक में फंस गई। इसके बावजूद ट्रक की रफ्तार तेज रही। ट्रक में फंसी बाइक घिसटती चली गई। लोगों ने ड्राइवर को आवाज देकर ट्रक रोकने की कोशिश भी की। लेकिन ट्रक नहीं रुका। लोगों ने बताया कि बड़ा गणपति चौराहे से पहले ट्रक बेकाबू हो गया। जिसकी चपेट में कई लोग आ गए और आग भी लग गई। रामचंद्र नगर चौराहे से बड़ा गणपति की दूरी करीब एक किलोमीटर है। बताया जा रहा है कि रामचंद्र नगर चौराहे के दोनों तरफ पुलिस जवान चालानी कार्रवाई कर रहे थे।

शराब के नशे में था ट्रक ड्राइवर- इंदौर जोन-1 के डीसीपी कृष्णा लालचंदानी ने बताया कि ड्राइवर शराब के नशे में था। उसने कालानी नगर में लोगों को टक्कर मारी। उसके बाद वहां से लोगों को घसीटते हुए लेकर आया। ज्यादा नशे में होने के कारण ड्राइवर ट्रक पर कंट्रोल नहीं कर पाया। यहां दो लोगों की मौत हुई है। तीन से चार लोग घायल हैं। जिन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी ने बताया कि ट्रक ड्राइवर को पकड़ लिया गया है। जिसे मल्हारगंज थाने ले गए। उसका मेडिकल कराया जा रहा है। ट्रक को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बसाहट घनी, पुलिस लापरवाह - इस रोड पर अब घनी बसाहट हो गई है और सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में व्यावसायिक कारोबार होता है। कई शोरूम, दुकानें, बैंक, दफ्तर आदि है। यही देपालपुर रोड और सुपर कॉरिडोर होकर धार रोड, उज्जैन रोड से भी जुड़ता है। इस मार्ग पर दिनभर वाहनों की भारी आवाजाही होती है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस मार्ग के प्रमुख चौराहों बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, कालानी नगर पर यातायात व्यवस्थित करने के पुलिसिया इंतजाम सिर्फ दिखावटी हैं। नियमों का पालन तो बिलकुल नहीं होता। हजारों लोग रोज बेतरतीब यातायात के बीच जान हथेली पर लेकर निकलने को मजबूर हैं। **ट्रैफिक पुलिस वसूली में व्यस्त -** लोगों का आरोप है कि शहर में ट्रैफिक के जवान दोपहिया वाहनों से चालान के बहाने वसूली में व्यस्त रहते हैं। रात को ट्रैफिक पुलिस का सारा अमला बैरियर लगाकर चार पहिया वाहन चालकों के मुंह सूंघता रहता है। जबकि, उन्हें व्यस्त समय में ट्रैफिक कंट्रोल करना होता है, पर वे फिजूल के काम और वसूली में लगे दिखाई देते हैं। ये घटना भी इसी से जन्मी है। जब रात 11 बजे तक भारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर सकते, तो शाम को ये ट्रक व्यस्त सड़क पर कैसे लोगों को रौंदते हुए दौड़ा।

कलेक्टर ने घायलों का हाल जाना- मुख्यमंत्री के निर्देश पर घायलों का हालचाल जानने और उनके इलाज की मॉनिटरिंग करने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा, अरविंदो, बांठिया, भंडारी, वर्मा यूनियन और गीतांजलि अस्पताल पहुंचे।अरविंदो अस्पताल में भर्ती एक बच्ची को देख कलेक्टर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यह मेरी बेटी है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने सभी घायलों के इलाज के लिए डॉक्टरों से बात की। मौके पर मौजूद सभी परिजन को बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें सीधे निर्देश दिया है कि घायलों की हर संभव मदद हो।

हाईकोर्ट में एमवाय के चूहा कांड की स्टेटस रिपोर्ट पेश, स्टाफ है जिम्मेदार

रिपोर्ट में कहा गया कि नवजात बच्चों की मौत का कारण चूहे नहीं

इंदौर। सोमवार को हाईकोर्ट की खंडपीठ में एमवाय अस्पताल में चूहों के कुतरने के बाद दो नवजातों की मौत के मामले में सुनवाई हुई। सरकार ने इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट पेश की। इसमें दोनों नवजात बच्चों की मौत चूहों के काटने से नहीं होने का ज़िक्र किया गया है। जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस पिल्लई की बेंच ने नवजात बच्चों के मौलिक अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा मानते हुए स्वत- संज्ञान लिया। हाईकोर्ट ने 15 दिन बाद कार्रवाई नहीं होने पर सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट मामले में 15 सितंबर तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। कोर्ट ने कहा था कि सफाई और पेस्ट कंट्रोल करने वाली निजी कंपनी एजाइल सिक्योरिटी के खिलाफ ठोस दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, जबकि उसकी लापरवाही से यह दर्दनाक हादसा हुआ। इस रिपोर्ट में धार जिले की दंपत्ति के नवजात की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का भी जिक्र है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि उसके कुछ ऑर्गन्स पूरी तरह विकसित नहीं हुए थे। इसके साथ ही दूसरी बीमारियां भी थी। मौत का कारण रेट बाइट नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया कि पहली घटना 30 अगस्त की सुबह 4 बजे हुई, जबकि दूसरी घटना 31 अगस्त की रात 10.30 बजे हुई थी। इसमें यह देखा गया कि पहली घटना में क्या-क्या स्टेप्स लिए गए और क्या-क्या नहीं लिए गए। इसमें जिन्होंने घटना को लेकर रिपोर्ट नहीं की, उनकी भी गलती है और जिनकी उपस्थिति में गलती हुई हैं, उन्हें भी जिम्मेदार बताया। वहीं पेस्ट कंट्रोल एजाइल कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने संबंधी नोटिस दिए जाने का भी जिक्र है। **ऐसी घटनाएं रोकने उठाएंगे कदम-** सरकार ने हाईकोर्ट में कहा कि रेट बाइट की घटना को काफी गंभीरता से लिया गया है। भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसके लिए नवजातों से संबंधित पीआईसीयू और एनआईसीयू यूनिट्स को सरकारी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में तुरंत अच्छे सेटअप के साथ शिफ्ट किया जाएगा। वहां भी इस तरह की घटनाओं लेकर विशेष सतर्कता रखी जाएगी। इसके साथ ही पीआईसीयू और एनआईसीयू यूनिट्स को सरकारी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शिफ्ट करने के दौरान तक इन दोनों यूनिट्स में फ्यूमीगेशन और पेस्ट कंट्रोल कराया जाएगा। **अलग से अथॉरिटी गठन करें-** सुनवाई के दौरान यह भी माना गया कि ऐसे उपाय होने चाहिए, जिनसे शासन द्वारा जारी पैरामीटर और गाइडलाइन का पूरा पालन हो। इसके लिए यदि कोर्ट को अलग से कोई अथॉरिटी गठित करनी पड़े, तो वह भी की जा सकती है। सभी जिम्मेदारों द्वारा इसका पालन करना अनिवार्य होना चाहिए। यह बात अति गंभीर मानी गई कि यह एक अप्रिय घटना है और दोबारा नहीं होनी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि इसके लिए वर्तमान गाइडलाइन क्या हैं और आगे नया क्या होना चाहिए। **कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया-** इस मामले में कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया था और शासन से स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा था। हाईकोर्ट ने इस प्रकरण में कई बिंदुओं पर सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट की टीम पहले ही अस्पताल के एनआईसीयू और पीआईसीयू का दौरा कर चुकी है। इस केस में 15 दिन बाद भी कठोर कार्रवाई न होने पर हाईकोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी किया था और 15 सितंबर तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी।

बांद्रा से बरौनी के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन

इंदौर। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम से होकर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराया पर किया जाएगा। गाड़ी बांद्रा टर्मिनस से बरौनी जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में 3-3 फेरे चलेगी। बांद्रा टर्मिनस से बरौनी साप्ताहिक स्पेशल, बांद्रा टर्मिनस से 22 सितंबर से 6 अक्टूबर तक प्रति सोमवार को चलेगी। यह ट्रेन सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 21.20 बजे चलेगी तथा बुधवार को 19.15 बजे बरौनी रेलवे स्टेशन पहुँचेगी। इसका रतलाम आगमन मंगलवार को 6.40 बजे एवं प्रस्थान 6.50 बजे होगा। इसी प्रकार बरौनी से बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल, बरौनी से 25 सितंबर से 9 अक्टूबर तक प्रति गुरुवार को चलेगी। यह ट्रेन गुरुवार को बरौनी से 12.15 बजे चलेगी तथा शनिवार को 6.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। इसका रतलाम आगमन शुक्रवार को 19.25 बजे एवं प्रस्थान 19.35 बजे होगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन थर्ड एसी, स्लीपर एवं अनारक्षित सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी।

5 अधिकारी-कर्मचारियों पर पेनल्टी लगाई

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण तथा उन्हें शासकीय योजनाओं-कार्यक्रमों और सेवाओं का समय पर लाभ उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि समस्याओं के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक न पहुँचाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वर्मा अन्तर्विभागीय समन्वय समिति एवं समय-सीमा पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की और निर्देश दिए कि आगामी सात दिवस में निराकरण की गति में ठोस प्रगति लाई जाए। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर रोशन राय, रिंकेश वैश्य, निशा डामोर सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सोनम की याचिका पर 17 सितंबर को शिलांग अदालत में फैसला होगा

पति राजा रघुवंशी की हत्या करने वाली सोनम रघुवंशी को क्या जमानत मिलेगी

इंदौर। सोनम रघुवंशी पर आरोप है कि उसने अपने ही पति राजा रघुवंशी की बेरहमी से हत्या करवाई। इस आरोप में वह अपने प्रेमी और तीन हत्यारों के साथ शिलांग की जेल में बंद है। लेकिन, अब सोनम जेल से बाहर आने की कोशिश में है। उसने बेल के लिए याचिका दायर की, जिसकी सुनवाई 17 सितंबर को होगी। यह केस केवल एक हत्या की कहानी नहीं, बल्कि प्रेम त्रिकोण, धोखे और साजिश की दास्तान है। सोनम का प्रेमी से शादी का सपना, खौफनाक हत्या में बदल गया। मई में इंदौर के नामी प्रॉपर्टी डीलर राजा रघुवंशी ने बड़े धूमधाम से सोनम से शादी की थी। शादी के बाद दोनों हनीमून पर मेघालय के खूबसूरत शहर चेरापूंजी (सोहरा) पहुंचे। लेकिन, यह सफर एक साजिश में तब्दील हो गया, जिसकी परिणति राजा की दर्दनाक मौत थी। शादी के 20 दिन बाद, 10 जून को दोनों लापता हो गए। तीन दिन बाद, 13 जून को राजा का खून से सना शव सोहरा के सुनसान इलाके में मिला। चाकू के वार और सिर पर गंभीर चोटें देखकर साफ हो गया कि यह दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या थी। **मास्टरमाइंड थीं सोनम रघुवंशी-** जांच में सामने आया कि सोनम का एक पुराना प्रेमी राज कुशवाहा इस हत्या का मुख्य साजिशकर्ता था। सोनम और राज कुशवाहा का रिश्ता शादी से पहले का था, और शादी के बाद भी जारी रहा। पुलिस ने सोनम की कॉल डिटेल्स और मैसेज से यह पुष्टि की कि वह राज कुशवाहा से लगातार संपर्क में थी। राज कुशवाहा ने तीन अन्य साथियों-आकाश सिंह, विकास पटेल, और राहुल वर्मा-के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। मेघालय पुलिस के अनुसार, सोनम ने राजा को सोहरा के एक सुनसान पार्किंग में ले जाकर झगड़ा किया। राज कुशवाहा और उसके साथियों ने राजा पर हमला कर दिया। राजा ने विरोध किया, लेकिन चाकू और लोहे की रॉड से हमला कर उन्हें मार डाला। शव को पार्किंग में छोड़कर सभी फरार हो गए। सोनम ने परिवार को बताया कि राजा दुर्घटना में मर गया, लेकिन सीसीटीवी फुटेज और कॉल रिकॉर्ड ने झूठ उजागर कर दिया। मेघालय एसपी ने कहा कि यह एक क्लासिक लव त्रिकोण हत्याकांड था। सोनम ने प्रेमी के साथ मिलकर सब प्लान किया। हमने चारों को गिरफ्तार किया। सोनम और राज कुशवाहा को जून में गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य तीन बाद में। **जेल से बेल की याचिका -** सोनम रघुवंशी जो शिलांग सेंट्रल जेल में बंद है, ने अब बेल के लिए याचिका दायर की है। उसके वकील का दावा है कि सोनम निर्दोष है, और हत्या में उसकी कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। लेकिन, अभियोजन पक्ष ने विरोध किया, कहा कि सोनम साजिश की मास्टरमाइंड है। बेल देने से सबूतों के साथ छेड़छाड़ का खतरा है। मेघालय हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के लिए 17 सितंबर की तारीख तय की है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि बेल मिलने की संभावना कम है, क्योंकि हत्या का केस की धारा 302 (हत्या), 120बी (आपराधिक साजिश), और 201 (सबूत मिटाना) के तहत है। सोनम के परिवार का दावा है कि वह निर्दोष है। सोनम के पिता रामेश रघुवंशी ने कहा कि मेरी बेटी निर्दोष है। राज कुशवाहा ने उसे फंसाया। हम कोर्ट पर भरोसा करते हैं। वहीं, राजा के परिवार ने बेल का विरोध किया। राजा की मां कमलेश रघुवंशी ने रोते हुए कहा कि सोनम ने मेरे बेटे को मारा। उसे बेल न मिले, वरना हम न्याय के लिए सड़क पर उतर आएंगे। **जांच के मोड़-** सीसीटीवी, कॉल रिकॉर्ड और प्रेम त्रिकोण का राज मेघालय पुलिस ने सोहरा पार्किंग के सीसीटीवी फुटेज से साजिश का पर्दाफाश किया। वीडियो में सोनम और राजा का झगड़ा दिखा, उसके बाद तीन संदिग्धों का आना। कॉल रिकॉर्ड्स से पता चला कि सोनम और राज कुशवाहा शादी से पहले से संपर्क में थे। राज कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि सोनम राजा से तंग आ चुकी थी। हमने मिलकर प्लान बनाया। पुलिस ने सोनम के फोन से राज कुशवाहा के साथ 200 से अधिक कॉल्स पाईं। हत्या के बाद सोनम ने परिवार को झूठा बयान दिया कि राजा दुर्घटना में मरा। लेकिन, शव पर चाकू के घावों ने साजिश उजागर कर दी। लव जिहाद और प्रेम त्रिकोण का डर। **जमानत की संभावना कम -** कोर्ट का फैसला तय करेगा कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि जमानत मिलना मुश्किल है। आईपीसी की धारा 302 में हत्या का केस गंभीर है, और साजिश साबित होने पर सजा कड़ी होगी। लेकिन, अगर सोनम के वकील सबूतों पर सवाल उठाते हैं, तो जमानत संभव है। 17 सितंबर की सुनवाई में कोर्ट का फैसला निर्णायक होगा।

संपादकीय

क्या अरब सैन्य संगठन बनेगा?

इजराइल द्वारा कतर की राजधानी दोहा में हमास नेताओं पर दुस्साहसपूर्ण हमले के बाद पश्चिम एशिया में मुस्लिम राजनीति अब नया मोड़ लेती दिख रही है। इस हमले ने समूचे अरब जगत को हिला दिया है। यह वैश्विक व्यवस्था के बदलने का संकेत है। अरब देशों को लगने लगा है कि इजराइल के खिलाफ अमेरिका उनकी रक्षा किसी भी स्थिति में नहीं करेगा। ऐसे में उन्हें ही एक होना पड़ेगा। अरब देशों में इस बात पर गंभीर विचार हो रहा है कि क्या वो सब मिलकर नाटो जैसा कोई सैन्य गठबंधन बना सकते हैं। हालांकि 57 मुस्लिम और खासकर अरब देशों के बीच आपसी मतभेद के चलते यह बहुत आसान नहीं है। इजराइल ने यह हमला पिछले दिनों दोहा में रह रहे हमास नेताओं पर किया था। जिसमें हमास के कई बड़े नेता मारे गए थे। कतर पर हमले के बाद सभी अरब देश अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हो गए हैं। इस आपातकालीन शिखर सम्मेलन में क़तर के अमीर शेख़ तमीम बिन हमाद अल-थानी ने कहा कि इजराइल का हमास के वार्ताकारों पर हमला करना साबित करता है कि वह झूठ बोल रहा है कि उसका मक़सद हमास के क़ब्ज़े में मौजूद बंधकों को छुड़ाना है। उसका असली मकसद गाजा को इंसानों के रहने लायक नहीं छोड़ना है। दूसरी तरफ इजराइल का कहना है कि उसने हमले से पहले इसकी सूचना अमेरिका और क़तर को दे दी थी। तुर्किए के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगान का कहना है कि ताज़ा हमला इजराइल के ग़ैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को एक नए स्तर पर ले गया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने इस्लामी देशों से इजराइल से संबंध तोड़ने की अपील की। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के महासचिव हुसैन ताहा ने इजराइल पर हमले की निंदा की और कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय क़ानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सीधा उल्लंघन है। इजराइल को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इस बीच इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भविष्य में भी हमास नेताओं पर हमले से इनकार नहीं किया। उधर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोहा में इजराइली हमले को क्षेत्रीय संप्रभुता का घोर उल्लंघन बताया तो संरास में इजराइल के राजदूत ने कहा कि इजराइल हमेशा अमेरिका के हित के अनुसार कार्रवाई नहीं करता है। हालांकि इस हमले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'नाखुशी' जाहिर की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सम्मेलन में मिस्र ने अपने प्रस्ताव में नाटो जैसा एक सशस्त्र बल बनाए जाने की बात कही है, जिसकी अध्यक्षता अरब लीग के 22 देशों में बारी-बारी से सौंपी जाएगी और पहला अध्यक्ष मिस्र का होगा। प्रस्ताव में सेना, वायु सेना और कमांडो यूनिट में बेहतर तालमेल स्थापित करने के साथ ही ट्रेनिंग, लॉजिस्टिक्स और मिलिटरी सिस्टम को एकीकृत करने का प्रस्ताव है। साथ ही सैन्यबल के इस्तेमाल की इजाज़त सदस्य देशों और सैन्य नेतृत्व से सलाह के आधार पर दी जाएगी। मिस्र सैन्य गठबंधन में 20 हजार सैनिकों का योगदान करेगा, जबकि सहयोग के मामले में सऊदी अरब दूसरा सबसे बड़ा देश होगा। यहां सवाल यह है कि क्या ऐसा कोई सैन्य गठबंधन संभव है? इस बारे में जानकारों का कहना है कि अरब देशों के बीच नेटो जैसा सैन्य गठबंधन खड़ा करने का विचार बहुत समय से है लेकिन इस पर अमल को लेकर बात आगे नहीं बढ़ पाई। क्योंकि इन सभी देशों के सुरक्षा हित इतने अलग-अलग हैं कि उनमें सर्वसम्मति बनाना एक टेढ़ी खीर है। जैसे सऊदी अरब और ईरान क्या आपस के मतभेदों को मिटाकर साथ आ पाएंगे। क्योंकि अगर एक संयुक्त सैन्य गठबंधन बनना है तो इंटेलिजेंस शेयरिंग भी होगी। दूसरे, पश्चिमी देशों ख़ासकर अमेरिका और नेटो की ओर से इस तरह की किसी ग्रुपिंग को अमल में लाने दिया जाएगा, कहना मुश्किल है।

नजरिया

सनातन भारत की खोज में समर्पित जीवन

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक उभरती हुई नहीं बल्कि एक ऐसी शक्ति बन चुका है जिसका खूब पुनरुत्थान हो रहा है और वह वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर अपनी जगह फिर से हासिल कर रहा है। विश्व जलवायु परिवर्तन कार्रवाई, नवाचार और प्रौद्योगिकी में भारत के नेतृत्व स्वीकार कर रहा है। विश्व यह भी स्वीकार कर रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक मंदी के बीच एक उत्कृष्ट स्थान बनाया और उत्तरोत्तर अच्छी स्थिति उसकी है भी।

प्रधानमंत्री ने डिजिटल इंडिया के 11 वर्षों के दौरान लोगों के जीवन में आए परिवर्तन का उल्लेख बार-बार किया और अब उसका उल्लेख वैश्विक स्तर पर विभिन्न देश कर रहे हैं। डिजिटल क्रांति का स्वप्न नरेंद्र मोदी सरकार की कार्य-प्रणाली को बहुत ही सुगम बना दी है और अब इसका उपयोग बड़े पैमाने पर आम आदमी से लेकर कॉर्पोरेट जगत के लोग भी कर रहे हैं। इससे भारत में डिजिटल आत्म-विश्वास में अभिवृद्धि देखी जा रही है।

देश अपने सौभाग्य से प्रसन्न होता है। भारत का समय-समय पर सौभाग्य रचने के लिए नेतृत्व भी आते रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने अपनी आयु की 75 वर्ष की यात्रा में ऐसे कई कीर्तिमान स्थापित किया है जिस पर भारत गर्व कर सकता है। उन्होंने गुजरात के बतौर मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में देश को सेवाएँ दी। देश को अपने होने का गर्व कराया। आज उनके जन्मदिवस की 75 वीं दहलीज़ पर सपूर्ण देश उन्हें बधाइयाँ देकर उनका धन्यवाद कर रहा है। मेरी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री के जीवन का सबसे अच्छा पक्ष यह है कि वह स्वयं को राष्ट्र के लिए समर्पित हो गए और देश की सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया।

नरेंद्र मोदी के युवा मन से विश्व में भारत की जय हो रही है। प्रवासी भारतीयों ने यह अनुभव किया है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके लिए अभूतपूर्व कार्य किया है। इमिग्रेशन के मसले हों या यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र व छात्राएं, सभी बिन्दुओं पर नरेंद्र मोदी ने अपना शत-प्रतिशत दिया है। धर्म, संस्कृति, आध्यात्म से जुड़कर प्रधान मंत्री ने अपने प्रधान मंत्री कार्यकाल में भारत के साथ न्याय करने की कोशिश की। भगवान् श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा से देश के सनातन लोगों के हृदय में अपनी जगह बनाने वाले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय संबंधों, व्यापार, सांस्कृतिक संबंधों को भी प्रतिष्ठित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक उभरती हुई नहीं बल्कि एक ऐसी शक्ति बन चुका है जिसका खूब पुनरुत्थान हो रहा है और वह वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर अपनी जगह फिर से हासिल कर रहा है। विश्व जलवायु परिवर्तन कार्रवाई, नवाचार और प्रौद्योगिकी में भारत के नेतृत्व स्वीकार कर रहा है। विश्व यह भी स्वीकार कर रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक मंदी के बीच एक उत्कृष्ट स्थान बनाया और उत्तरोत्तर अच्छी स्थिति उसकी है भी। प्रधान मंत्री ने डिजिटल इंडिया के 11 वर्षों के दौरान लोगों के जीवन में आए परिवर्तन का उल्लेख बार-बार किया और अब उसका उल्लेख वैश्विक स्तर पर विभिन्न देश कर रहे हैं। डिजिटल क्रांति का स्वप्न नरेंद्र मोदी सरकार की कार्य-प्रणाली को बहुत ही सुगम बना दी है और अब इसका उपयोग बड़े पैमाने पर आम आदमी से लेकर कॉर्पोरेट जगत के लोग भी कर रहे हैं। इससे भारत में डिजिटल आत्म-विश्वास में अभिवृद्धि देखी जा रही है।

उल्लेखनीय कार्य क्षमता

15 सितंबर, 1950 को जन्में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। उनके जीवनचर्या की चर्चा आज पूरे भारत में हो रही है। वह पूरे जोश के साथ जब यह कहते हैं कि हमारे भारत की युवा पीढ़ी को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो इसमें एक नई ऊर्जा का संचार होता है। भारत के बुजुर्ग लोग भी उर्जा से भर जाते हैं और दूर दराज खेतों में बठे किसान बुजुर्ग भी अपनी संतानों से कहते हैं कि तुम इस धीमी क्षमता से मोदी के सपने को पूर्ण नहीं कर पाओगे। इस प्रकार गतिहीन होने से हमारे देश का और स्वयं का विकास नहीं होगा। अगर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो तुम्हारी गतिशीलता बढ़नी चाहिए।

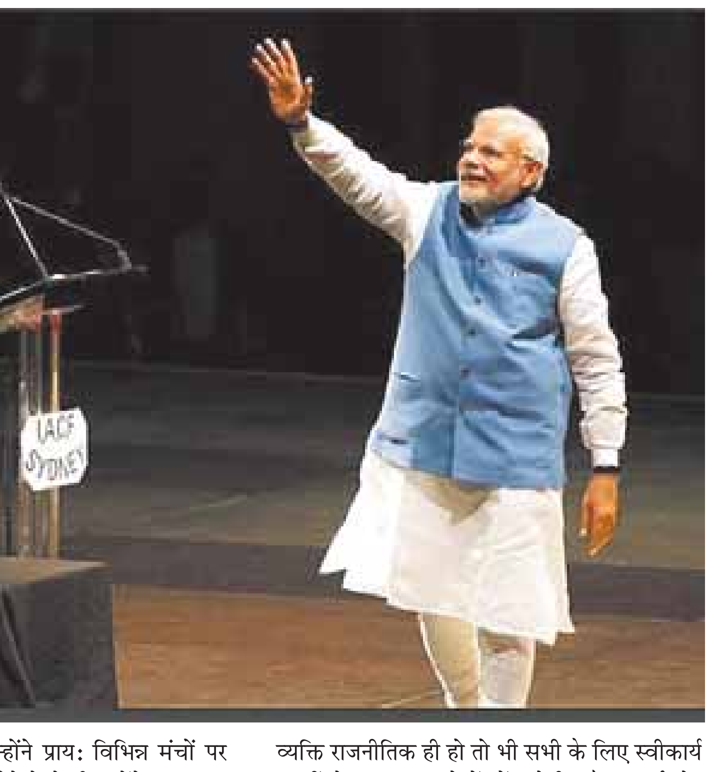

अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में नरेंद्र मोदी ने निश्चय ही आत्म-निर्भर युवा आबादी तैयार करने का पूर्ण प्रयास किया है। स्टार्ट-अप योजना से लेकर मुद्रा योजना तक और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नारे के साथ लैंगिक भेदभाव के बगैर देश निर्माण का कार्य नरेंद्र मोदी ने किया है। अपने जीवन के प्रारम्भिक दिनों को उन्होंने प्राय: विभिन्न मंचों पर उल्लेख किया। जब वह छोटे थे तो भी उन्होंने लक्ष्य बड़ा रखा और जब कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे थे तो विविध प्रकार के कष्ट सहकर भी देश के लिए कार्य किया।

नरेंद्र मोदी उस उर्वर भूमि से आते हैं जहाँ विभिन्न महापुरुषों के कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की सेवा हो या फिर प्रधान मंत्री के रूप में, अपने सार्वजनिक जीवन में नरेंद्र मोदी न कभी थके और न कभी रुके। अपनी उल्लेखनीय कार्य क्षमता व कौशल को साबित करते हुए वह प्रधानमंत्री जैसे पद पर आसीन हुए। प्राय: 18 घंटे तक देश के लिए सोचना और देश के लिए करना उनकी दिनचर्या है। अपने वय को चुनौती देकर युवा जोश से कार्य करने की मिसाल देनी हो तो नरेंद्र मोदी का नाम सहजता से लिया जा सकता है।

अपॉलिटिकल व्यक्तित्व भी शानदार

व्यक्ति राजनीतिक ही हो तो भी सभी के लिए स्वीकार्य नहीं होता। इस मामले में नरेंद्र मोदी सदैव सतर्क रहे। उन्होंने राजनीति की लेकिन अपॉलिटिकल जीवन शैली के लिए भी वह प्रसिद्ध रहे। अपॉलिटिकल व्यक्ति बनकर भारत को ज्यादा जान सकता है क्योंकि तब वह प्रकृति व संस्कृति दोनों से जुड़ता है। स्वयं को समष्टि से जोड़ता है। स्वयं को आम आदमी बनकर सभी जीवन के पक्ष पर विचार करता है।

मन की बात, प्रधानमंत्री की एक अपॉलिटिकल अभिव्यक्ति है। जब मैंने मन की बात-जन जन की बात रूपक आकाशवाणी, दिल्ली के लिए लिखा था जिसका प्रसारण प्रधानमंत्री के मन की बात के 100 एपीसोड पूर्ण होने पर हुआ था। पूरे देश से मिली प्रतिक्रियाओं और विचारों को जानकार हमें यह प्रतीत हुआ कि मन की बात के माध्यम से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन को अराजनीतिक बना दिया और वे आमजन के हो गए।

मन की बात विशुद्ध रूप से उनके अपॉलिटिकल जीवन की व्याख्या है। एक दूसरा कार्यक्रम उनका परीक्षा पे चर्चा भी इसी श्रेणी का कार्यक्रम रहा। बच्चों के बीच जाकर बच्चे हो जाना, कभी शिक्षक जैसे व्यवहार करना, कभी प्रेरणा पुरुष की भांति प्रेरक बातें करके नई जेनरेशन को ऊर्जा से भर देना यह सब परीक्षा पे चर्चा का हिस्सा रहा है। प्रधान मंत्री ने इससे जो अपने अपॉलिटिकल जीवन का जो चित्र तैयार किया है, वह अद्भुत है। इसी प्रकार विदेशों में भी जब वे प्रवासी भारतीय लोगों से मिले तो भी अपने आपको उनके बीच पाकर उनमें घुलमिल गए। यह एक सामाजिक व्यक्ति ही कर सकता है। वह अपने लोगों से मिलकर अपनी अनुभूति उनके सुख व विचारों में तलाशता है। नरेंद्र मोदी ने ऐसे अनेक अवसर पर अपॉलिटिकल होने की बानगी पेश करते रहे हैं और उन्होंने यह भी बताया एक तरह से कि अपने संयमित जीवन को अपनी जड़ों में गहरे जाने देना चाहिए और अपने जीवन आचरण को राजनीति से मुक्त करके भी जीना चाहिए।

नए भारत की खोज में

नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन के 75 वर्ष जिस आदर्श के साथ बिताए हैं, उसमें उनका सुख क्या है? वह राष्ट्र के लिए क्यों समर्पित हो जाना चाहे? उन्होंने अपने जीवन को किसी छोटे उद्देश्य के लिए क्यों नहीं जिया? ऐसे अनेक प्रश्न भारतीय जनमानस में चर्चा में रहते हैं। इसका उत्तर बहुत आसान सा जो हमें लगता है वह है नए भारत की खोज। एक ऐसे भारत की खोज जिसमें सनातन का सम्मान हो। एक ऐसे भारत की खोज जो विकसित देशों को मात देकर प्रथम बन जाए। एक ऐसे भारत की प्रत्याशा में जीवन जीने वाले नरेंद्र मोदी ने अपने 75 बसंत में अनेक ऐसे प्रेरणा-पुंज से स्वयं को प्रकाशित कर रहे हैं जो भारत को अभिनव सौभाग्य से भर दे। ऐसे तत्वदर्शी के लिए आज भारत कामना करता है कि वह शतायु हों।

जयंती पर विशेष

आत्मसम्मान आंदोलन के जनक रामास्वामी पेरियार

चित्रा माली

(सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता)

गैर-द्विज जातियों के सामाजिक - राजनीतिक आधुनिकीकरण में उल्लेखनीय भूमिका अदा करने वाले 'आत्मसम्मान आंदोलन' (सुयमरीयताई इयक्कम) की शुरुआत 1926 में ई.वी.रामास्वामी नायकर पेरियार के द्वारा तमिलनाडु में की गई थी। पेरियार ने इसी वर्ष 'आत्मसम्मान मंच' की स्थापना की जो ज्योतिबा फुले के द्वारा स्थापित सत्यशोधक समाज के उद्देश्यों से मिलता जुलता था। पेरियार ने आत्मसम्मान मंच से जाति-व्यवस्था, ब्राह्मणवादी वर्चस्व, महिलाओं और दलितों-बहुजनों की मुक्ति का आह्वान किया था। जातीय आधार पर भेदभाव और मनुष्यों के बीच ऊंच-नीच, कर्मकांड और मूर्ति पूजा के कटु आलोचक पेरियार ने ज्योतिबा फुले की तरह ही हिंदू-धर्म को मूलत: ब्राह्मणवाद से जोड़कर हिंदू विधि विधानों और संस्थाओं को 'ब्राह्मणवादी', 'पुरुषवादी' और 'शोषण' के कारक के रूप में निरूपित किया। आत्मसम्मान आंदोलन मुख्यत: धर्म, जाति और राष्ट्रवाद के गठजोड़ के खिलाफ था जो मूलत: सामाजिक असमानता पर खड़ी सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था का समर्थन करती थी। ब्राह्मण जिस तरह से 'कर्मकांडीय नैतिकता को राष्ट्रीय सिद्धांत' बना देते थे पेरियार उसके आलोचक थे। उन्होंने गहराई से महसूस किया कि ब्राह्मण नए उभरते हुए सार्वजनिक क्षेत्रों या मुद्दों में ब्राह्मणवाद का इस्तेमाल गैर-ब्राह्मणों को नकारने और बेइज्जत करने में करते हैं। वे इसके लिए मद्रास के एक आवासीय विद्यालय (गुरुकुलम) का उदाहरण देते है वे बताते हैं कि इस विद्यालय में ब्राह्मण और गैर-ब्राह्मण विद्यार्थियों के लिए भोजन की अलग-अलग व्यवस्था है जबकि विद्यालय छात्रों में समाजसेवा और देशभक्ति सिखाने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है लेकिन वहीं भेदभाव और अस्पृश्यता को मान्यता देना गुरुकुलम के उद्देश्यों के विरुद्ध है। पेरियार के अनुसार गुरुकुलम को एक आदर्श भारतीय राष्ट्रवाद के लिए कटिबद्ध होना चाहिए और मनुष्य-मनुष्य के बीच कोई भी अपमानजनक भेदभाव नहीं करना चाहिए। आदर्श राष्ट्रवाद नागरिकों को अपनी गरिमा और अंत:करण से समझौता किए बिना एक सामूहिक कल्याण के लिए विकसित किया जाना चाहिए। जिसमें 'ज्ञान के सर्वांगीण विकास', 'शिक्षा के प्रसार', 'वैज्ञानिक चेतना का विकास', 'रोजगार और उद्योग', 'एकता और समानता', 'नवाचार औरईमानदारी', 'गरीबी, अन्याय और अस्पृश्यता का उन्मूलन शामिल हो। पेरियार ने जोर दिया कि इन सभी से पहले राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि 'वर्णाश्रम धर्म' और 'जन्म आधारित भेदभाव' का अंत हो। 1920 में कांग्रेस के क्षेत्रीय अधिवेशन जो तिरुनलवेली में आयोजित किया गया था उसमें गैर-ब्राह्मणों के एक अलग सत्र की अध्यक्षता पेरियार ने की। इस अधिवेशन में गैर-ब्राह्मणों के लिए चुनाव क्षेत्रों और शासकीय सेवाओं में आरक्षण की मांग के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इसके बाद 1924 में कांग्रेस का क्षेत्रीय अधिवेशन तिरुवन्नामलाई में आयोजित किया गया जिसमें अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में पेरियार ने जोर देकर कहा कि जाति-व्यवस्था को खत्म करना उनका लक्ष्य है। लेकिन जब तक यह लक्ष्य हासिल नहीं हो जाता, तब तक सभी जातियों और समुदायों को प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक जातिविहीन समाज का लक्ष्य हासिल नहीं हो तब तक एक ही रास्ता है और वह यह है कि अतीत में जो कुछ गलत हुआ है, उसे ठीक करने के लिए जाति-व्यवस्था द्वारा शोषित हुए लोगों को लोकतांत्रिक ढंग से समर्थ बनाया जाए। आरक्षण वह तरीका है, जिसके द्वारा वर्तमान सत्ता का पुनर्वितरण किया जा सकता है। आत्मसम्मान आंदोलन ने अपने प्रभाव के क्षेत्रों में ब्राह्मण वर्चस्व को कड़ी चुनौती दी और धर्म, जातिवाद और ईश्वर की अवधारणा का विरोध करते हुए बुद्धिवादी आधार पर समाज की पुनर्रचना का प्रस्ताव जारी किया। आत्मसम्मान आंदोलन ने संस्कृत भाषा के प्रभुत्व का विरोध किया और उसकी जगह स्थानीय भाषा तमिल की स्थापना का आग्रह किया। आत्मसम्मान आंदोलन ने अपने उत्कर्ष के दिनों में बड़े पैमाने पर निचली जातियों के युवकों और युवतियों को ब्राह्मणवादी व्यवस्था के विरुद्ध संगठित कर सामाजिक संघर्ष में सक्रिय कर दिया था। आंदोलन की यह मान्यता थी कि जिस व्यक्ति में आत्मसम्मान विकसित हो जाता है, उसका राजनीतिक दोहन कोई नहीं कर सकता है। आत्मसम्मान विकसित होने की शर्त के रूप में आंदोलन का दावा था कि पहले ऊंची और नीची जाति का भेदभाव खत्म होना होगा। पेरियार का यह स्पष्ट मत था कि आत्मसम्मान आंदोलन ही वास्तविक आजादी दिला सकता है। 20 नवंबर 1916 में गैर-ब्राह्मण राजनेताओं ने 'साउथ इंडियन लिबरल फेडरेशन' का गठन किया। 1920 में इसका नाम बदलकर जस्टिस पार्टी कर दिया गया था। इस पार्टी ने मद्रास प्रेसिडेंसी में पहले प्रत्यक्ष चुनाव में ही सफलता प्राप्त कर सरकार बनाई और अगले 16 वर्षों तक सत्ता में काबिज रही। 16 सितंबर 1921 में जस्टिस पार्टी की सरकार ने गैर-ब्राह्मणों के लिए नौकरियों में आरक्षण की घोषणा की थी। इसके अतिरिक्त जस्टिस पार्टी की सरकार ने दलितों को उनके अधिकार भी दिलवाए। जिनमें उन्हें हिंदू मंदिरों में प्रवेश का अधिकार, सड़कों पर चलने का अधिकार, बस में यात्रा करने का अधिकार, थियेटरों में प्रवेश का अधिकार, सार्वजनिक तालाबों से पीने का पानी लेने का अधिकार और महिलाओं को वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार दिया। शिक्षा में भेदभाव को गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया और म्यूनिसिपल विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए मुफ्त मध्याह्न भोजन की शुरुआत की गई। जस्टिस पार्टी देश की ऐसी पहली राज्य सरकार थी जिसने हिंदू धर्म से संबंधित चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की जो मंदिरों के धन का प्रबंधन करता था और इस धन का उपयोग सरकार के कल्याण के कार्यक्रमों के लिए किया था। 1935 में पेरियार ने सरकार से अपील की कि वह राज्य सरकार की संस्थाओं की तरह मद्रास प्रेसिडेंसी में स्थित केंद्र सरकार की सभी संस्थाओं में आरक्षण की व्यवस्था को लागू करें।

इस व्यवस्था के अंतर्गत 14 प्रतिशत पद ब्राह्मणों के लिए, 44 प्रतिशत गैर-ब्राह्मणों के लिए व 14 प्रतिशत दलितों के लिए आरक्षित किए जाए। पेरियार और तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री राजा सर बोबली के प्रयासों से केंद्र सरकार की संस्थाओं में 72 प्रतिशत आरक्षण को लागू कर दिया गया। राजनीतिक रूप से जस्टिस पार्टी और आत्मसम्मान आंदोलन के उद्देश्य एक समान लगते हैं और वे दोनों एक साथ मंच साझा करते हुए भी दिखाई देते हैं लेकिन इसके बावजूद भी दोनों में वैचारिक और सामाजिक रूप से अंतर है। आत्मसम्मान आंदोलन एक तरफ तो जस्टिस पार्टी की ही तरह आर्य प्रभुत्व के बरक्स द्रविड़-विकल्प की वकालत करता है और दूसरी तरफ जस्टिस पार्टी के विरुद्ध हिंदू धर्म की चातुर्वर्ण्य व्यवस्था को निशाना बनाते हुए धार्मिक-सामाजिक दकियानूसीपन के खिलाफ अनीश्वरवाद और भौतिकवाद की दावेदारी पेश करता है। आंदोलन का दूसरा पक्ष उत्तरोत्तर मजबूत होता चला गया। आंदोलन ने जाति-प्रथा, अंधविश्वास, कर्मकांड, मनुस्मृति, मिथकों, मंदिर पूजा और हिंदू धर्म के विरुद्ध जबरदस्त हमला बोला। इस आंदोलन ने समाज सुधार का रूप धारण कर बताया कि मंदिरों के खजाने का इस्तेमाल गैर-धार्मिक उद्देश्य से किया जाना चाहिए। विवाह को स्त्री-पुरुष के बीच परस्पर बुद्धिसंगत सहमति के आधार पर आयोजित करने का आग्रह करते हुए आंदोलन ने ब्राह्मण पुरोहितों और कर्मकांडों के बिना विवाह कराने का सिलसिला शुरू किया। इन विवाहों में पेरियार खुद मौजूद रहा करते थे ठीक उसी तरह जिस प्रकार से सत्यशोधक समाज द्वारा आयोजित विवाह समारोह में ज्योतिबा फुले शामिल हुआ करते थे। आंदोलन ने नामों से जातिसूचक उपनाम हटाने का आग्रह किया और महिलाओं के विकास पर विशेष जोर दिया। आत्मसम्मान आंदोलन के वार्षिक सम्मेलन में उत्पीड़ित वर्गों और स्त्रियों के लिए समान अधिकारों की मांग की गई और समाज में संपत्ति के पुनर्वितरण की मांग भी की गई। आत्मसम्मान आंदोलन का मूल उद्देश्य शूद्रों को उनके शूद्रत्व से मुक्त करना था और उन्हें अतिशूद्रों एवं अन्य समुदायों के साथ लेकर एक ऐसे समाज का पुनर्निर्माण करना था जिसमें जातिभेद के लिए कोई स्थान न हो। पेरियार के लिए ज्योतिबा फुले की तरह ही अस्पृश्यता के अंत का मतलब था जाति व्यवस्था का अंत। गैर-ब्राह्मणों की प्रगति अछूतों से जुड़ी हुई है इस बात पर जोर देते हुए पेरियार ने कहा कि 'इतना ही नहीं अछूतों के दुख-दर्द भी गैर-ब्राह्मणों से जुड़े हुए हैं'। पेरियार के अनुसार अछूतों के लिए आरक्षण अत्यंत आवश्यक है क्योंकि उन्हें अधिक तिरस्कार झेलना पड़ता है। सत्ता और शक्ति के पदों पर आते ही अछूत अपने खिलाफ हो रही प्रताड़नाओं और नागरिक असमानताओं को रोक सकेंगे, जो उन पर थोपी गई है।

जातियों, समुदायों और लिंगों के भेदभाव के परे समतामूलक सामाजिक संबंधों पर जोर देते हुए पेरियार ने जाति और पितृसत्ता को उखाड़ फेंकने की वकालत की। आत्मसम्मान आंदोलन के केंद्रीय बिंदु सदियों से सताए गए स्त्री-पुरुष के लिए आत्मसम्मान, आत्माभिमान और गरिमा थे जिन्हें पुनर्स्थापित करने की मांग ने सहज ही लोगों का ध्यान आकृष्ट किया और उनका मन जीत लिया। आज भी उत्तर भारत में पेरियार के आत्मसम्मान आंदोलन से लोग वाकिफ़ नहीं है। जबकि पेरियार ने खुद उत्तर भारत के चंद्रिका प्रसाद जिज्ञासु और ललई सिंह को अपनी किताब और लेखों के हिंदी में प्रकाशन की जिम्मेदारी भी सौंपी थी। ज्योतिबा फुले और पेरियार के विचार महाराष्ट्र और दक्षिण भारत तक सिमट कर रह गए है। वर्तमान समय में पेरियार पर नए सिरे से विमर्श जारी है लेकिन अभी भी विचारों की मूल प्रस्ताविकी से काफी दूर है जिससे व्यक्तियों में आत्मसम्मान विकसित नहीं हो पाया है और वह आज भी राजनीतिक शोषण का शिकार हो रहे हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जलवा तलवे चाटने वालों का

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

यूपी के बदायूं में एक बच्चे की मौत कुत्ते के काटने से नहीं चाटने से रेबीज होने से हो गई। कुत्ते ने पुरानी चोट को चाट लिया यह खबर पढ़ कर पं शिवनारायण जी मॉर्निंग वॉक के लिए निकले तो बाहर से कॉलोनी में आए आयातित कुत्तों के समूह से बचकर पड़ोसी शिव प्रसाद जी को आवाज दी और बोले तुमने देसी कुत्ते को पाला है उसे गले लगाते हैं और चाटते हो चूमते हो तो मैं बता रहा हूं कि यह खबर पढ़ लेना इस पर शिव प्रसाद जी बोले पंडित जी का आप चाटने की बात करते हो किसी के तलवे चाटने से तो अच्छा किसी वफादार कुत्ते को चाटना सौ गुना बेहतर है।

इस संवाद को सुनकर मॉर्निंग वॉक में शामिल नए-नए नेता बालू जी के तेवर चढ़ गए और बोल कुत्ते के चाटने और किसी के तलवे चाटने में बहुत फर्क है। कुत्ता इंसान को चाटे या इंसान कुत्ते को, चाटे खतरे का परसेंटेज करीब करीब जीरो ही रहता है, लेकिन तलवे चाटने का रिजल्ट सौ फीसदी फिट बैठ जाता है। तलवे चाटना भी एक आर्ट है, तलवे चाटने के पहले जिसके तलवे चाट रहे हैं उसके तलवे मजबूत और रसूखदार होना चाहिए। जब एक मजबूत माननीय तलवे वाला मिल जाए तो उसके तलवे चाटने के जो लाभ मिलते हैं वह न तो गले मिलने से, न हाथ मिलाने से, न ही कदमों में गिरने न ही गिड़गिड़ाने से मिलते हैं। इस पर कमल जी बोले तलवे चाटना भी कोई आसान काम नहीं है, इसके पहले चापलूसी करना याद होना चाहि। चापलूसी तलवे चाटने से पहले की प्राथमिक शिक्षा है । दुनिया में बड़े बड़ों के तलवे चाटे जाते हैं तलवे चाटना सीखना हो तो मुनीर से सीखे जो ट्रंप के तलवे चाट चाट कर सियासत को चाट गया। छुट भैया, से नेता बनने के लिए तलवे चाटने से शुरुआत की जाए तो कोई भी पूर्णकालिक नेता बनने से रोक नहीं सकता और यदि किसी ने तलवे चाटने से इनकार किया तो उसे तल में पहुंचने से भी कोई रोक नहीं सकता ।चाटने की बात को लेकर वयोवृद्ध रामेश्वर जी बोले चाटने से केवल तलवे को ही क्यों जोड़ो, जब हम कोई आयुर्वेदिक दवा शहद के साथ न चाटे तो निरोग नहीं हो सकते इसलिए चाटना बहुत जरूरी है ।और जहां तक सवाल तलवे चाटने का है तो तलवे चाटने से अनेक बाधा से मुक्ति मिल जाती है। चाटने में जीभ का उपयोग होता है उसी के आधार पर चाटने को क्लासीफाइड कर सकते हैं, जबान चाट-चाट कर समेटती है ।कई लोग जबान को फिरा फिरा कर जबान से चाटने की अहमियत को बता देते हैं और हां चाट एक व्यंजन भी है। जिसे चाट चाट कर लोग स्वाद लेते हैं चाटने वाली जुबान तरह-तरह से स्पर्श कर, चाट कर खट्टे मीठे कसेले स्वाद देती है।

इस पर स्वामी जी बोले चापलूसी करने और तलवे चाटने का बहुत ही दुरूह कार्य है। यह काम आम आदमी नहीं कर सकता। धूर्त और चालक को तलवे चाटे बगैर किसी का स्वाद ही नहीं आता ।तलवे चाटने वाले ऐसे तंज कसते हैं कि सामने वाले की पैरों तले जमीन खिसक जाती है। कुछ लोगों की अक्सर तलवे चाटने की हैबिट और प्रकृति हो जाती है। वह जानते हैं की तलवे चाटना ही एक ऐसा अस्त्र है जिसमें तलवे चाटने वाला अपना काम निकाल लेता है।

तलवे चाटने की चर्चा को सुनकर माडसाब कामेश्वर जी बोले हमारे यहां के एक मातहत ने साहब के तलवे नहीं चाटे तो वह तिल तिल कर बर्बाद हो गया आखिर उसने चरण पकड़े और तलवे चाटने का संदेश दिया तब कहीं वह आसान हो पाया। इस पर कॉलोनी के बालकृष्ण जी बीच में बोल पड़े हमारे पड़ोसी राजकुमार कुछ भी नहीं था लेकिन उसने नेता अधिकारियों के तलवे चाट चाट कर जो भूतल पर भी अपना आशियाना नहीं बना सकता था। उसने पाच पाच तल की मंजिले तान ली और बड़ों बड़ों के तलवों को चाट कर अपनी जिंदगी को बेहतर तल पर लाकर खड़ी कर दी। वे बोले एक जमाना था तब तलवे चाटना उसूलो को सूली पर चढ़ाता था, लेकिन अब वक्त बदल गया है अब काबिलियत को औहदे से नहीं तलवे चाटने के कौशल से नापते हैं, और वे भी दिन आ गए हैं कि अब जलवा तलवे चाटने वालों का ही है। और तलवे चाटने वाले ही इतिहास के पन्नों पर छाते हैं ।

मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आत्मनिर्भर व विकसित भारत

जन्मदिवस पर विशेष
सुरेश पचौरी
लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत 11 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मोदी सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे करोड़ों महिलाओं को लाभ मिल रहा है। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना और महिला स्व सहायता समूहों को सशक्त कर उन्होंने सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में परिणाममूलक कदम उठाए।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितम्बर को 75वां जन्मदिवस है। गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच अपनी लगन, निष्ठा, परिश्रम, त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरूष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्व के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी का जीवन संघर्ष की गाथा से भरा हुआ है, वस्तुत: वे संघर्षों की उपज हैं। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्था में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रूके।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत 11 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मोदी सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे करोड़ों महिलाओं को लाभ मिल रहा है। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना और महिला स्व सहायता समूहों को सशक्त कर उन्होंने सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में परिणाममूलक कदम उठाए।

वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्षों के प्रधानमंत्री के कार्यकाल पर नजर दौड़ाएं तो बहुत स्पष्ट दिखता है कि इस दौरान देश ने प्रगति की दिशा में तेज रफ्तार पकड़ी, आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, देश की अर्थव्यवस्था बेहतर हुई, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी और सबसे बड़ी बात तो यह कि अमेरिका जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र मोदी जी के कसीदे पढ़ने लगा। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़ प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्व के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। 'यह नया भारत है, दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारता है', ऐसे सिंहनाद से देश का आम जनमानस खुद को सुरक्षित तो महसूस करता ही है, साथ ही नये भारत की उपलब्धियों पर उसे गर्व भी होता है।

नि:संदेह, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। देश में चहुंमुखी प्रगति हो रही है। हमारी जीडीपी की दर भी संतोषजनक है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है। देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। अमेरिकी राष्टपति ट्रंप के टैरिफ की काट के लिए मोदी जी द्वारा स्वदेशी अपनाने का जो आहवान किया गया, लोगों का इस दिशा में झुकाव बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा 'आम आदमी' को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत

संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

मोदी जी की दृष्टि में देश का अन्नदाता किसान सदैव प्राथमिकता में रहा है। उन्होंने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। उनकी सोच बहुत स्पष्ट है कि कृषि आजीविका का साधन मात्र न रहे, बल्कि यह लाभ का व्यवसाय बने। फिलहाल किसानों के सम्मान स्वरूप उन्हें दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सालाना 6 हजार रूपये की सीधी सहायता दी जा रही है। ई-नाम पोर्टल द्वारा कृषि मंडियों को ऑनलाइन जोड़ा गया है, जिससे लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि विकास योजनाओं जैसी जनहितैषी पहल से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में रेल नेटवर्क का व्यापक विस्तार हो रहा है। जम्मू-कश्मीर सहित पूर्वोत्तर राज्यों में अभूतपूर्व रेल क्रांति दिखाई दे रही है। ये राज्य पर्यटन के नक्शे में प्रमुखता से दर्ज होने लगे हैं, मिजोरम जैस दुर्गम एवं पहाड़ी राज्य में बैराबी-सैरांग रेल परियोजना मिजोरम को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऑपरेशन सिन्दूर के बाद तो भारत रक्षा मामलों में विश्व का सिरमौर बन गया है। भारत आज रूस, अमेरिका, फ्रांस सहित 100 से अधिक देशों को सैन्य हथियार और रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से वित्तीय वर्ष 2023-2024 के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार साल 2004 से 2014 तक जो एक्सपोर्ट मात्र 4,312 करोड़ का हुआ करता था, वह 2014-2024 में बढ़कर 88,319 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, पिछले दस साल में यह रफ्तार इतनी तेजी से बढी कि अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की सैन्य शक्ति को सदैव न केवल प्रोत्साहित किया बल्कि रक्षा निर्यात को बढ़ाने पर बल दिया। आज भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 12.04 प्रतिशत बढ़ा है। साल 2023-2024 में डिफेंस एक्सपोर्ट 21,083 करोड़ रुपये था, इसमें 2539 करोड़ का इजाफा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विगत 11 वर्षों के दौरान भारत को गौरवशाली भारत बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने 12 बार लाल किले पर तिरंगा फहराया, जो एक मजबूत, स्थिर और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है। उनकी सरकार 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी रेखा से बाहर लाई। यह नये भारत की वास्तविक तस्वीर है। रक्षा उत्पादन में 175 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। रक्षा निर्यात में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, स्वदेशी के प्रति मोदी जी की पक्षधरता जगजाहिर है, फलत: देश की 65 प्रतिशत रक्षा आवश्यकताएं अब भारत में पूरी हो रही हैं।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के कर्णधार नरेन्द्र मोदी सर्वाधिक अवधि तक प्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने वाले दूसरे प्रधानमंत्री हैं। उन्हें सर्वाधिक कार्यकाल तक गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री होने का सौभाग्य प्राप्त है। उनकी राजनैतिक यात्रा पर विहंगम दृष्टि डालें तो वे एक अविश्रांत, अविचल, ध्येयनिष्ठ व कर्मयोगी पथिक के रूप में नजर आते हैं, जिनका लक्ष्य है समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के आंसू पोंछना और मोदी जी कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन् की भावना के साथ अपने ध्येय के प्रति समर्पित हैं।

आज संपूर्ण विश्व में मोदी जी की ख्याति गूंज रही है। वे जिस भी देश के दौरे पर जाते हैं, उस देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जाते हैं। वैश्विक प्रभावी नेता की छवि बना चुके श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता तथा प्रभुत्व का यह आलम है कि दुनिया के 27 देश उन्हें अपने देश के प्रतिष्ठापूर्ण शिखर सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। उनके पास जनविश्वास की सबसे बड़ी पूंजी है और यही वजह है कि भारत की जनता ने उनके ऊपर भरोसा जताते हुए तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता के सबसे उच्च आसन पर आरूढ़ किया। मोदी जी को उनके 75वें जन्मदिवस के शुभ प्रसंग पर कोटिश: बधाई, अनंत आत्मीय मंगलकामनाएं एवं हार्दिक अभिनंदन।

मोदी का व्यक्तित्व पूरे विश्व का प्रेरणा स्रोत

जन्मदिवस अवसर पर विशेष
राजेन्द्र शुक्ल
लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व आज पूरे विश्व में प्रेरणा का स्रोत है। उनके नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व गति से प्रगति पथ पर कदम बढ़ाए हैं। उनके जन्मदिवस पर हम सभी कृतार्थ अनुभव कर रहे हैं और उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करते हैं। उन्होंने भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के साथ ही भारतीय संस्कृति, परंपरा और मूल्यों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित किया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का उनका मंत्र आज राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा आधार बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व उस समय और अधिक प्रभावी सिद्ध हुआ जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही थी। विषम परिस्थितियों में उन्होंने भारत को न केवल सुरक्षित रखा बल्कि प्रगति की नई दिशा भी दी। आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। यह उपलब्धि केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अमूल्य धरोहर है। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास भारत को विश्वगुरु के स्थान तक ले जाने वाले हैं। उनकी सोच वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को साकार करती है, जो आज के वैश्विक परिदृश्य में शांति और सामूहिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी के कार्य ऐतिहासिक हैं। पहले कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि कोई सरकार 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर सकती है। लेकिन आयुष्मान भारत योजना ने इसे साकार कर दिखाया। करोड़ों गरीब परिवारों को आयुष्मान कार्ड प्रदान कर उन्हें नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला है। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए 'वयवंदना योजना' के तहत 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा ने उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास दिया है।

कोविड-19 महामारी के कठिन समय में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण और

देशव्यापी टीकाकरण अभियान ने भारत को दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा कर दिया।

जनकल्याण के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री मोदी का योगदान असाधारण है। किसानों, गरीबों, महिलाओं और युवाओं के विकास के लिए उन्होंने ऐसी योजनाएँ शुरू कीं, जो सीधे उनकी जिंदगी बदलने वाली सिद्ध हुईं। जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने का अभियान केवल स्वास्थ्य और स्वच्छता ही नहीं बल्कि ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता सुधारने का भी प्रतीक है। यह पहल उतनी ही परिवर्तनकारी है जितनी अटल जी की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना थी, जिसने देश के गाँवों को नई पहचान दी थी।

आर्थिक मोर्चे पर पीएम मोदी के नेतृत्व ने भारत को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। एक समय 11वें स्थान पर रही भारतीय अर्थव्यवस्था आज चौथे स्थान पर पहुँच गई है और जापान जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ चुकी है। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों ने न केवल भारत को आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि देश को नवाचार और प्रौद्योगिकी का केंद्र भी स्थापित किया है।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो सपना प्रधानमंत्री मोदी ने रखा है, वह केवल एक लक्ष्य नहीं बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। यह संकल्प आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सभी क्षेत्रों में भारत को विश्वगुरु बनाने वाला है। आज पूरा देश गर्व और उत्साह से इस यात्रा में सहभागी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ अर्पित करता हूँ। उनका नेतृत्व भारत को निरंतर नई ऊँचाइयों पर ले जा रहा है और आने वाले वर्षों में भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु के रूप में स्थापित होगा।

'राष्ट्र प्रथम' हित के संवाहक नरेन्द्र मोदी

जन्मदिन पर विशेष
धर्मेन्द्र सिंह लोधी
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग

यद्यदाचरति श्रेष्ठसतत्तदेवेतरो जनः/ स यत्प्रमाणं कुरूते लोकस्तदनुवर्तते। (श्रीमद्भगवदगीता) अर्थात् महापुरूष जो आचरण करते हैं, सामान्य व्यक्ति उसी का अनुसरण करते हैं। वह अपने अनुकरणीय कार्यों से जो आदर्श प्रस्तुत करते हैं, सम्पूर्ण विश्व उसका अनुसरण करता है। आधुनिक विश्व में ऐसे ही एक युगपुरूष भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी हैं, जिन्होने न केवल भारत में अपितु संपूर्ण विश्व में मानव कल्याण के उच्च आयाम स्थापित किये हैं। आधुनिक भारत में नरेन्द्र मोदी जी का जीवन चरित्र भारतीयता और राष्ट्रीयता का पर्याय माना जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्तमान समय में एक शक्तिशाली वैश्विक नेता हैं। उनके नेतृत्व में भारत का सम्मान दुनिया में बढ़ा है। अब भारत को दरकिनार करके विश्व में कोई भी नीति नहीं बनाई जा सकती, क्योंकि आज भारत का नेतृत्व एक ऐसे हाथ में है, जो राष्ट्रहितों को केंद्र में रखकर लगातार कार्य कर रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह कठोरता के साथ पाकिस्तान को प्रत्युत्तर देने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया, उससे भारत की छवि वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर कर सामने आई है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने दुनिया को दिखा दिया है कि भारत आतंकवाद को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा और जो भी भारत की तरफ आँख उठा कर देखेगा भारत उसे छोड़ेगा नहीं। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी को साहस के साथ प्रत्युत्तर देने वाले राजनेता के रूप में जानती है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वर्ष 2015 में ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना आरंभ की थी। इस योजना से पूरे जीनवकाल में शिशु लिंग अनुपात को सन्तुलित करने में अभूतपूर्व सफालता प्राप्त हुई है। यह अभियान न केवल भारत, बल्कि समूचे विश्व में चर्चित और प्रचारित हुआ था। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आयोग्य योजना के द्वारा आज संपूर्ण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के नये मापदण्ड स्थापित किये गये हैं। देशवासियों को 5 लाख रूपये तक का निःशुल्क उपचार कराया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से प्रधानमंत्री का यह कदम निश्चित हीं एक मील का पत्थर है।

वर्ष 2014 के बाद से माननीय नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की राजनैतिक दशा में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास को साथ लेकर विकास और प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़े हैं। विगत दस वर्षों में सामाजिक सरोकार के जो कार्य हमारे देश में किये गये हैं, उनकी प्रतीक्षा देश की जनता आजादी के बाद से कर रही थी। जल जीवन मिशन के माध्यम से संपूर्ण भारत के हर घर में पेयजल उपलब्ध कराने का संकल्प माननीय नरेन्द्र मोदी द्वारा लिया गया है और काफी हद तक यह कार्य पूर्ण भी हो चुका है। मुझे लगता है जल जीवन मिशन आजाद भारत की सबसे महत्वाकांक्षी और सामाजिक सरोकार की सर्वश्रेष्ठ योजना है, जिसको मूर्त रूप देने का विचार प्रधानमंत्री मोदी के चिंतन में ही पल्लवित हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में विकास प्रगति और शक्ति के नए आयाम को स्पर्श किया है। वर्ष 2014 के बाद से भारत की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। भारत और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। विगत 11 वर्षों में देश की अधोसंरचना का अभूतपूर्व विकास हुआ है। देश में नक्सलवाद को लगभग समाप्त कर किया जा चुका है। सामाजिक सरोकार हो या आर्थिक क्षेत्र या फिर तकनीकी क्षेत्र, हर क्षेत्र में देश सतत रूप से ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के भागीरथ प्रयासों के से ही संभव हो सका है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कर माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने न केवल भारतीय जनता पार्टी के पुरोधा विचार को साकार किया है अपितु देश के समस्त सनातन समुदाय की आकांक्षाओं को भी पूर्ण किया है। भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास के लिये प्रधानमंत्री मोदी लगातार काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी भारत वर्ष को समग्र रूप से आत्मनिर्भर बनाने का स्वप्न देखते हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप जनतंत्र की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत में अनेक कल्पनातीत विचारों ने साकार रूप लिया है। उनके विचारों, नीतियों और आदर्शों का अनुकरण केवल भारतवर्ष ही नहीं कर रहा है, बल्कि संपूर्ण विश्व उनके दर्शन और चिंतन से प्रभावी है। प्रधानमंत्री मोदी आधुनिक भारत के युगदृष्टा हैं जो भारतवर्ष को विश्व की सर्वाधिक शक्ति संपन्न सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के पुनीत पथ पर प्रगतिशील हैं।

निर्माण और शिल्पकला के देवता

विश्वकर्मा जयंती पर विशेष
रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक पत्रकार हैं।

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था।

विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला।

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं।

विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं।

विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। जिसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं, जैसे बढ़ई, नाव निर्माता, कवचकार, लोहार, हथौड़ा और औजार बनाने वाला, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, चर्मकार, जूते बनाने वाला, राजमिस्त्री, टोकरी,चटाई, झाड़ू बनाने वाला, बुनकर, गुड़िया और खिलौने बनाने वाला (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले लोग शामिल हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना में पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता, कौशल सत्यापन के माध्यम से कौशल उन्नयन, बुनियादी कौशल, उन्नत कौशल प्रशिक्षण, उद्यमशीलता ज्ञान, 15,000 रुपये तक के टूलकिट प्रोत्साहन, तीन लाख रुपये तक की ऋण सहायता दी जाती है।

घर की छत पर कोयल बोले तो किस्मत खुले

कोयल की कूक गूंजने लगती है। इसकी मीठी आवाज सुनकर मन प्रसन्न हो जाता है लेकिन अगर आप यह जानेंगे कि इसका कूकना धन और समृद्धि लाता है तो आपकी प्रसन्नता और बढ़ जाएगी। शकुनशास्त्र के अनुसार जब घर की छत पर बैठकर कोयल कूके तो इसका मतलब है कि आकस्मिक धन लाभ होने वाला है।

कोयल की कूक का फल दिशा और समय के अनुसार भी प्राप्त होता है। कोयल की आवाज अगर सुबह-सुबह दक्षिण पूर्व दिशा से सुनाई दे तो नुकसान होता है। लेकिन शाम के समय सुनाई दे तो कोई खुशखबरी मिलती है। दोपहर में इस दिशा से कोयल की आवाज का सुनाई देना भी अच्छा नहीं माना जाता है।

किसी कार्य से जा रहे हैं और दोपहर में कोयल की बोली सुनाई दे तो कार्य में सफलता मिलती है। उत्तर पूर्व एवं पश्चिमोत्तर दिशा से कूक सुनाई पड़े तो धन लाभ मिलता है। उत्तर दिशा से कोयल की आवाज सुनाई देना बताता है कि घर में सुख-सुविधा के साधनों में वृद्धि होने वाली है। आम के पेड़ पर बैठकर कोयल कूक लगाए तो शुभ संकेत समझना चाहिए।

समृद्धि का वाहक विंड चाइम

फेंगशुई भारतीय वास्तुशास्त्र का चीनी रूपांतरण है। फेंगशुई की पवन घंटी (विंड चाइम) इन दिनों सर्वाधिक चलन में है। दरअसल फेंगशुई के अनुसार, विंड चाइम या पवन घंटी से जो मधुर ध्वनि निकलती है, वह पूरे घर में ची की सकारात्मक उर्जा का प्रवाह करती है। आइए जानते हैं कि घर या आफिस के कौन से कमरे या स्थान के लिए किस प्रकार की विंड चाइम उपयुक्त रहेगी। पांच छड़ वाली विंड चाइम का प्रयोग अध्ययन कक्ष में लगाने से वहां के सभी वास्तु दोष समाप्त हो जाते हैं।

छह छड़ों वाली विंड चाइम को ड्राइंग रूम में लगाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा निकलती है तथा पूरे घर में फैलती है। -सात छड़ों वाली विंड चाइम बच्चों के कमरे में लटकानी चाहिए। यह शुभ होती है।

आठ छड़ों वाली विंड चाइम का प्रयोग कार्यालय में करना बेहतर होता है।

अगर परिवार के सदस्यों को बार-बार निराशा का सामना करना पड़ रहा है तो ड्राइंगरूम में नौ छड़ों वाली विंड चाइम लगानी चाहिए। इससे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

ड्राइंगरूम का प्रभाव सकारात्मक बनाने के लिए कुछ टिप्स

ड्राइंगरूम घर का महत्वपूर्ण स्थान होता है। हम आमतौर पर सबसे पहले ड्राइंगरूम में ही प्रवेश करते है। फेंगशुई में ड्राइंगरूम के रख-रखाव के लिए कुछ नियम बताए गए हैं। आइए ड्राइंगरूम का प्रभाव सकारात्मक बनाने के लिए जानें कुछ टिप्स-

ड्रॉइंगरूम में लड़ाई, पशु-पक्षी, महिलाओं और बच्चों के रोते हुए चित्र न लगाएं।

दीवान हमेशा पश्चिम से दक्षिण की दीवार की ओर रखना चाहिए।

एयरकंडीशनर और रूम हीटर कमरे के आग्णेय कोण में रखनी चाहिएं।

अलमारियां, बुक-शैल्फ और मूर्तियां आदि पश्चिम दिशा की ओर रखना चाहिए। ऐसा करने से मन में दुष्प्रभाव नहीं आते।

ड्राइंगरूम के प्रवेश द्वार पर ऊपर की ओर अंदर की तरफ भगवान का चित्र नहीं लगाना चाहिए। द्वार के बाहर गणेश जी का फोटो लगा सकते हैं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। गृहस्थ जीवन में चल रही समस्याओं को लेकर आपका ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से बातचीत कर सकते हैं। करियर में आपको उन्नति के कुछ नए अवसर मिलेंगे। आपको फायदे के चक्कर में गलत तरीके से धन कमाने से बचना होगा। आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा। अविवाहित जातकों के जीवन में उनके साथी की दस्तक हो सकती है।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सुख-शांति भरा रहने वाला है। आपको अपने खर्चो पर पूरा ध्यान देना होगा। कार्यक्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आपको किसी बीमारी को छोटा नहीं समझना है। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। सामाजिक कामों में आपकी अच्छी साख रहेगी। आप किसी नए काम को करने की योजना बना सकते हैं। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा।

मिथुन

मिथुन- आज आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहने से आपको टेंशन रहेगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को दूर करने के लिए आप अपने किसी परिजन से बातचीत कर सकते हैं। आपका कोई मित्र काम को लेकर आपको सलाह दे सकता है, लेकिन आप उस पर सोच समझकर अमल करें। कोई नया इन्वेस्टमेंट करने की आप प्लानिंग करेंगे। प्रॉपर्टी से संबंधित कोई कानूनी मामला आपके लिए समस्या बन सकता है।

कर्क

कर्क- आज आपको कामों को लेकर कुछ नए अवसर मिल सकते हैं। संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिलाने के लिए भागदौड़ में लगे रहेंगे। आपका पूजा-पाठ में खूब मन लगेगा। विद्यार्थियों को किसी पढ़ाई-लिखाई में यदि समस्या आ रही थी, तो उसे दूर करने के लिए उन्हें अपने गुरुजनों से बातचीत करनी होगी। आपको अपने पिताजी की सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा।

सिंह

सिंह- आज आपको किसी बात को लेकर मानसिक तनाव बना रहेगा। उन्नति में आपको अच्छा अवसर मिलेंगे। आपको किसी नए प्रमोशन मिलने से खुशियां रहेंगी। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको किसी काम को लेकर ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से धन उधार लेना पड़ सकता है। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग अपने कामों पर पूरा ध्यान देंगे।

कन्या

कन्या- आज आप अपने कामों में मनमानी बिल्कुल ना करें। वरिष्ठ सदस्यों की राय आपके खूब काम आएगी। आपको किसी नई संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आपका कोई धन से संबंधित मामला सुलझेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। पारिवारिक जीवन में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा। आपको अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देना होगा।

तुला

तुला- आज आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। किसी से कोई वादा सोच समझकर करें। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। व्यापार में आपको कोई धोखा मिलने की संभावना है, इसलिए आप अपनी आंख और कान खुले रखकर कामों को करें।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी बड़े निवेश को करने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई अच्छी सफलता मिलने के योग बनते दिख रहे हैं। आपका मन इधर-उधर के कामों में लगेगा, जिससे आपको काम करने में समस्या आएगी। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है। आपको पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनाए रखनी होंगी। आप किसी बात को ध्यान रखकर सुलझाएंगे, तो वह आपके लिए बेहतर रहेगा।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए करियर में कुछ नए अवसर लेकर आने वाला है। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपको वाहनों के प्रयोग से सावधान रहना होगा। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आप किसी भी शारीरिक समस्या को छोटा ना समझे। सामाजिक कामों से जुड़े लोगों की छवि और निखरेगी, उन्हें किसी बड़े पद के भी मिलने की संभावना है।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए सुख-शांति भरा रहने वाला है। आपको अपने खानपान में संतुलित भोजन लेना होगा, क्योंकि आपको कोई पेट में संबंधित समस्या बढ़ सकती है। आपने यदि किसी काम को लेकर धन उधार लेने के लिए अप्लाई किया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। आप अपने घर किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को लेकर आ सकते हैं। आईटी सेक्टर से जुड़े लोग किसी दूसरी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

कुंभ

कुंभ- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। सेहत में भी उतार-चढ़ाव लगा रहेगा। माताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप अपने बॉस की बातों को इग्नोर करेंगे, तो इसका असर आपके प्रमोशन पर पड़ सकता है। आपको अपनी संतान के संगति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राजनीति में कार्यरत लोगों को बड़े-बड़े लोगों से मिलने का मौका मिलेगा।

मीन

मीन- आज आपके मन में कुछ बेचैनी रहने से आपका मन परेशान रहेगा। आप अपने करियर में भी काफी मेहनत मशक्कत करेंगे, उसके बाद ही आपको अच्छी सफलता हासिल होगी। आपका किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान दे सकता है। आप अपने कामों को लेकर लापरवाही करने से बचे। गृहस्थ जीवन में खुशियां भरपूर रहेंगी, क्योंकि जीवनसाथी आपके कामों में पूरा साथ देंगे। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के प्रयासों को भी आप तेज करेंगे।

क्यों टांगते हैं नींबू-मिर्च

हम अक्सर देखते हैं दुकानों और बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर व्यापारी नींबू-मिर्च टांगकर रखते हैं। नींबू और मिर्च का उपयोग अमूमन बुरी नजर से संबंधित मामलों में किया जाता है। दरअसल इसके दो कारण हैं, एक तंत्र-मंत्र से जुड़ा है और दूसरा मनोविज्ञान से। नींबू खट्टा और मिर्च तीखी होती है। इन दोनों का यह गुण व्यक्ति की एकाग्रता और ध्यान को तोड़ने में सहायक है। इससे व्यक्ति की एकाग्रता टूट जाती है और उसकी बुरी नजर नहीं लगती। नींबू का प्रयोग कई तांत्रिक विधियों में भी उसके इसी गुण के कारण किया जाता है।

निर्माणाधीन कार्यों का अवलोकन कर गुणवत्ता परखी, एसएनसीयू यूनिट सहित सभी वार्डों में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जिला अस्पताल का कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने किया औचक निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट सहित अस्पताल के सभी वार्डों में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की चूक न हो। यह निर्देश बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने रविवार को जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन और सभी अस्पताल के चिकित्सा स्टाफ को दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिला अस्पताल का भ्रमण कर महिला वार्ड, जनरल वार्ड, एसएनसीयू में व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य और अस्पताल में मिली सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर सेंटर का भी अवलोकन किया और फिनिशिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश ठेकेदार को दिए। सीएमएचओ डॉ.मनोज हुरमाड़े ने कलेक्टर को बताया कि क्रिटिकल केयर सेंटर एक माह के भीतर पूर्ण रूप से तैयार हो जाएगा। उन्होंने अस्पताल में मरीजों के परिजनों के बैठने के लिए शेड की व्यवस्था भी किए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने डिस्मेंटल किए गए टीबी वार्ड भवन का भी निरीक्षण किया और यहां जन सुविधा के लिए रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था और सीएमएचओ कार्यालय संचालित किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अस्पताल के स्टाफ के लिए ट्रामा सेंटर के पास पृथक से पार्किंग व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया, ताकि अस्पताल आने वाले लोगों को परेशानी न हो। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अस्पताल की भोजनशाला का भी निरीक्षण किया और जर्जर पाए जाने पर उसे डिसमेंटल कराए जाने के निर्देश सिविल सर्जन को दिए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी बैतूल को निर्देश दिए कि अस्पताल की बेतरतीब रूप से बड़ी झाड़ियों की छटाई कर उन्हें व्यवस्थित कराए। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ.मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ.जगदीश घोरे, आरएमओ डॉ.रानू वर्मा, सीएमओ श्री सतीश मत्सानिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी : एसडीएम सिवनी मालवा

नर्मदापुरम (निप्र)। सिवनी मालवा एसडीएम श्रीमती सरोज सिंह परिहार ने कहा कि किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष खरीफ सीजन में लगभग 9 हजार मीट्रिक टन खाद प्राप्त हुआ था, जबकि चालू वर्ष में अब तक 8,300 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध हुआ है।

इसमें से करीब 7,700 मीट्रिक टन खाद 3,800 किसानों को टोकन प्रणाली के माध्यम से वितरित किया जा चुका है। वर्तमान में डबल लॉक में 595 मीट्रिक टन यूरिया शेष है, जिसका वितरण प्रतिदिन टोकन के माध्यम से किया जा रहा है। वहीं दो दिन पूर्व सभी 23 सोसायटियों में लगभग 831 मीट्रिक टन खाद पहुँचा दिया गया है, जिसका वितरण सोमवार से प्रारंभ होगा। एसडीएम परिहार ने कहा कि सरकार ने 50 प्रतिशत खाद सोसायटी के माध्यम से और 50 प्रतिशत खाद डबल लॉक प्रणाली से वितरण कराने की व्यवस्था की है, ताकि हर किसान तक समय पर खाद पहुँच सके। उन्होंने जानकारी दी कि जिले के जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर के प्रयास से बानापुरा रेक पॉइंट पुनः चालू हो गया है, जिससे सिवनी मालवा में खाद की आपूर्ति सुचारू रूप से हो रही है। भविष्य में भी निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। एसडीएम ने किसानों से अपील करते हुए कहा - कृपया अफवाहों या भ्रामक जानकारी में न आएं और न ही अग्रिम उठाव के लिए पैनिक करें। प्रशासन प्रत्येक किसान तक खाद पहुँचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। खाद की कालाबाजारी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि इस संबंध में किसी को जानकारी मिलती है तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

संक्षिप्त समाचार

जिले में आदान विक्रेताओं के लिए दो नवीन बैचों का किया शुभारम्भ

बैतूल (निप्र)। जिले में आदान विक्रेताओं के लिए दो नवीनतम बैच टीपीएन 3223 एवं 3224 का शुभारम्भ किया गया। प्रत्येक बैच में 40 प्रतिभागियों को वर्षभर साप्ताहिक 48 कक्षाओं के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। अब तक जिले में 12 देशी डिप्लोमा बैच सम्पन्न किए जा चुके हैं, जिनमें 480 आदान विक्रेताओं एवं बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित कर तकनीकी रूप से दक्ष बनाया गया है। इनमें से अनेक ने अपने स्वयं के प्रतिष्ठान स्थापित कर रोजगार प्राप्त किया है। यह कोर्स युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही तकनीकी जानकारी का ग्रामीण स्तर पर प्रसार भी कर रहा है। शुभारम्भ कार्यक्रम में विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार प्रमुख वैज्ञानिक डॉ.एसके तिवारी, उन्नतशील कृषक श्री महावीर सिंह गोठी, उप संचालक कृषि जिला बैतूल डॉ. आनंद कुमार बड़ोनिया, सहायक संचालक कृषि श्री सुरेन्द्र कुमार परहाते, सहायक संचालक कृषि श्री आरएस राजपूत एवं कोर्स के फेसिलीटेटर श्री नितिन कुमार जायसवाल एवं श्री विजेन्द्र वाईकर उपस्थित रहे और प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रदेश में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होगा ''स्वस्थ नारी सशक्त परिवार'' अभियान

हरदा (निप्र)। महिलाओं का स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण हमारे परिवारों समाज एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार है। इसके परिपेक्ष्य में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक ''स्वस्थ नारी सशक्त परिवार'' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित किये जा रहे पोषण माह की गतिविधियों के अभिसरण व समन्वय से आयोजित किया जायेगा। अभियान का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मध्यप्रदेश से 17 सितम्बर को किया जायेगा। अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर, विशेषज्ञ चिकित्सा शिविरों का आयोजन तथा स्वैच्छिक रक्तदान जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। शनिवार को अभियान के संचालन के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एच.पी. सिंह ने जिले के सभी खंड चिकित्सा अधिकारी, बीसीएम, को ''स्वस्थ नारी सशक्त परिवार'' की संपूर्ण रूपरेखा तथा पोर्टल पर रिपोर्टिंग के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने सभी से अभियान के तहत 17 सितंबर को आयोजित होने वाले शिविर की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने बैठक में बताया कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी चुनौतियों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना।

आबकारी विभाग के दल ने मदिरा दुकानों का किया सघन निरीक्षण

हरदा (निप्र)। आबकारी विभाग के दल ने शुक्रवार को मदिरा दुकानों का सघन निरीक्षण किया। जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित शिकायत के संबंध में दल गठित कर कम्पोजिट मदिरा दुकानों के सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये। निर्देश के पालन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री ए. एस. बघेल एवं डी. एस. चौहान तथा आबकारी उपनिरीक्षक दीपिका वाईकर द्वारा कम्पोजिट मदिरा दुकान हरदा क्रमांक 2 पर पहुंचकर दुकान का सघन निरीक्षण किया गयया। निरीक्षण के दौरान कोई गंभीर अनियमितता नही पाई गई। अनुज्ञप्त परिसर में आबकारी बल द्वारा जांच करने पर किसी प्रकार का अहाता संचालन या मदिरा पान सुविधा नही होना पाया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों के लिए नई हेल्पलाइन सेवा प्रारंभ

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए नई हेल्पलाइन सेवा शुरू की गई है। अब हर उम्र और हर बीमारी के लिए डॉक्टर की अपॉइंटमेंट लेना बेहद आसान हो गया है। इसके लिए नागरिकों को केवल टोल फ्री नंबर 1800-233-2085 पर कॉल करना होगा। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि यह सेवा प्रदेश के 300 से अधिक शासकीय एवं पंजीकृत निजी अस्पतालों में उपलब्ध है। नागरिकों को घर बैठे ही अपॉइंटमेंट मिल जाएगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। इस हेल्पलाइन के जरिए हर वर्ग और हर बीमारी के लिए परामर्श की सुविधा प्राप्त होगी।

एक पंखा पितृ के नाम जागरूकता अभियान

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में नर्मदापुरम में एक पंखा पितृ के नाम जागरूकता अभियान के तहत शासकीय शालाओं में पंखे वितरित किए गए। यह अभियान जिला शिक्षा केंद्र नर्मदापुरम डीपीसी डॉ. राजेश जायसवाल के नेतृत्व में शुरू किया गया है। जिसके तहत जनपद शिक्षा केंद्र केसला से श्रीमती रत्ना सोनिया बीआरसीसी केसला, श्री शालीन दास बीएसी केसला एवं श्री जगत गौर सीएसी द्वारा एसडीएम इटारसी , तहसीलदार इटारसी एवं जन प्रतिनिधियों से सम्पर्क कर शासकीय शालाओं में पंखा भेंट देने हेतु योजना पर चर्चा की, जिसके लिए इस पुण्य कार्य में पंखे भेंट हेतु स्वीकृति प्राप्त हुई। जनपद शिक्षा केंद्र केसला के तत्वाधान में एसडीएम श्री टी प्रतीक राव द्वारा जन शिक्षा केंद्र पथरौटा की प्राथमिक शाला नयाखेड़ा से केसला विकास खंड की शासकीय शालाओं में 10 पंखें वितरित किये। शालाओं हेतु 04 पंखे एसडीएम श्री टी प्रतीक राव, 02 पंखे तहसीलदार श्री शक्ति सिंग तोमर, 1 पंखा बीआरसीसी केसला, 01 पंखा श्रीमती सुषमा मौर्य, 01 पंखा विद्या रैकवार द्वारा भेंट किये गए। कार्यक्रम एसडीएम श्री प्रतीक राव, बीआरसीसी केसला श्रीमती रत्ना सोनिया, बीएसी शालीन दास एवं राजकुमार बघेल, साक्षरता समन्वयक श्रीमती सुषमा मौर्य, सक्षम से विद्या रैकवार, स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं शिक्षकों की उपस्थिति में सम्म्पन्न हुआ।

शासकीय योजना ने महिला कृषक को स्वावलंबी उद्यमी की श्रेणी में पहुंचाया

विदिशा (निप्र)। विदिशा विकासखंड के ग्राम सायर की महिला कृषक हितग्राही श्रीमती सुनीता तोमर पति श्री शक्ति सिंह तोमर ने शासन की योजना का लाभ लेकर उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

उनका मानना है कि सही योजना और मार्गदर्शन से ग्रामीण कृषक भी स्वावलंबी उद्यमी बनकर समाज में प्रेरणा का स्त्रोत बन सकते हैं। भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत पीएमएफएमई योजना से श्रीमती तोमर ने वर्ष 2023-24 में लाभ प्राप्त किया। इस योजना के तहत उन्हें बैंक ऋण के माध्यम से कुल 7 लाख रुपये की राशि में 35 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग से उन्होंने अपनी स्वयं की आटा मिल स्थापित की, जिसका ब्रांड नाम है दृ शक्ति भोग आटा उत्पाद रखा है। आज उनका आटा विदिशा और भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई हो रहा है। मात्र एक वर्ष में, वित्तीय वर्ष 2024-25 में उद्यमी का टर्नओवर 1.88 लाख रुपये तक पहुँच गया है। वर्तमान में वे प्रतिदिन 20 से 25 क्विंटल उत्पादन कर रही हैं और लगभग 5 से 6 हजार रुपये की दैनिक आय अर्जित कर रही हैं।

खेल एवं युवा कल्याण व सामाजिक बंधुओं ने दी खेल सामग्री

शतरंज खेलने से एकाग्रता बढ़ती है : कलेक्टर सिद्धार्थ जैन

हरदा (निप्र)। डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के द्वारा चौथे चेस टूर्नामेन्ट का आयोजन रविवार को नालेज पब्लिक स्कूल टिमरनी में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के मुख्य आतिथ्य में सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री जैन ने कहां कि टिमरनी जैसी जगह में भी इतने उत्साह के साथ प्रतियोगियों ने भाग लिया यह बहुत हर्ष की बात है।

प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि शतरंज खेलने से बौद्धिक विकास होता है और एकाग्रता बढ़ती है। वर्तमान समय में जीवन में एकाग्रता अति आवश्यक है। वहीं जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा शतरंज खेल में खिलाड़ियों की रुचि और प्रतिभा को देखते हुए कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के द्वारा जिला चेस एसोसिएशन को चेस खेल सामग्री में 50 चेस मेट , 50 नग़ चेस की गोटी एवं 50 नग़ टाइमर वॉच प्रदान की गई। इसके अलावा टिमरनी से श्री सचिन दुबे के द्वारा 20 चेस सेट एवं अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री विनोद बंसल के द्वारा 15 चेस सेट एसोशिएशन को प्रदान करने पर उन्हें एसोशिएशन ने धन्यवाद प्रेषित किया। चेस प्रतियोगिता में 88 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान 15 वर्ष से कम आयु वर्ग के 61 खिलाड़ी एवं ओपन वर्ग में 27 खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल हुए।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन अध्यक्ष श्री आलोक जैन, सचिव श्री पी.सी. पोर्ते, मिडिया प्रभारी श्री रोहित तिवारी, कोषाध्यक्ष श्री सत्यम बंसल, श्री विनोद उपाध्याय, श्री रामनिवास जाट, श्री राजेश गौर, श्री मनीष प्रजापति, सुश्री हीना खान, नालेज पब्लिक स्कूल के डायेरेक्टर श्री अंकुश अग्रवाल, सुश्री चंचिलिका अग्रवाल , प्रिंसिपल सुश्री माधुरी तिवारी , वाईस प्रिंसिपल श्री वैभव जाधम , श्री बृजेश तिवारी, श्री गजेन्द्र ताम्बुलकर सहित बच्चों के माता-पिता एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि एसडीएम टिमरनी श्री संजीव कुमार नागू व रहटगांव तहसीलदार श्री देव शंकर धुर्वे ने विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया।

प्रतियोगिता में अण्डर 15 वर्ग में प्रथम स्थान लक्ष्मी रणसूरमा , द्वितीय स्थान रजित चौहान , तृतीय स्थान अथर्व धनवारे , चतुर्थ स्थान निखिल बैरागी , पंचम स्थान ईशान तिवारी ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में ओपन वर्ग में प्रथम स्थान गौरव मिश्रा , द्वितीय स्थान अनुराग गौर , तृतीय स्थान दिलिप कुमार , चतुर्थ स्थान काजी सद्दाम पठान , पंचम स्थान सिद्धार्थ जैन ने प्राप्त किया। साथ ही आभार रमाशंकर ज्योतिषी ने माना।

आजीविका मिशन से जुड़कर श्रीमती लीला धुर्वे ने किया संघर्ष से सफलता तक का सफर तय

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रयासों से नर्मदापुरम जिले की ग्राम कासदा रैय्यत, विकासखंड सोहागपुर निवासी श्रीमती लीला धुर्वे ने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार कर एक मिसाल प्रस्तुत की है। श्रीमती धुर्वे का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर था, जिसके कारण उनकी शिक्षा और रोजगार की संभावनाएँ सीमित थीं। वे मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती थीं। वर्ष 2017 में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा ग्राम की महिलाओं को स्व सहायता समूह से जोड़ने का अभियान चलाया गया, तभी श्रीमती धुर्वे ने शारदा स्व सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। समूह की बैठकों में भाग लेकर उन्होंने विभिन्न आजीविका गतिविधियों के बारे में सीखा और प्रारंभ में 20 हजार रुपये के बैंक ऋण से एक किराना दुकान की शुरुआत की। शुरुआती कठिनाइयों के बाद श्रीमती धुर्वे की मेहनत रंग लाई और उन्हें किराना दुकान से अच्छा मुनाफा होने लगा। इसके बाद उन्होंने मल्टीलेयर सब्जी उत्पादन एवं कृषि कार्य भी प्रारंभ किए। द्वितीय बैंक लिंकेज के तहत 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त कर उन्होंने अपने कार्यों का विस्तार किया और परिवार की आय को और बढ़ाया। धीरे-धीरे श्रीमती धुर्वे लखपति दीदी की श्रेणी की सदस्य बन पाईं। उन्हें मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ भी मिल रहा है। आज श्रीमती धुर्वे किराना दुकान और कृषि कार्य दोनों संचालित कर रही हैं। कृषि क्षेत्र में किए गए उनके नवाचार, विशेषकर मल्टीलेयर सब्जी उत्पादन, को सराहना मिली है। वे अपनी सफलता का श्रेय रेवा संकुल स्तरीय संगठन और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम को देती हैं। साथ ही, वे ग्राम की अन्य महिलाओं को भी विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

कृषि विभाग के संयुक्त दल ने मुलताई विकासखंड के खेतों में पहुंचकर फसलों का लिया जायजा

बैतूल (निप्र)। कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल बाजार एवं कृषि विभाग के संयुक्त दल द्वारा मुलताई विकासखण्ड के किसानों के खेतों पर भ्रमण किया। केंद्र के पौध संरक्षण वैज्ञानिक श्री आरडी बारपेटे, उपसंचालक कृषि डॉ. आनंद कुमार बड़ोनिया, सहायक संचालक कृषि श्री सुरेन्द्र कुमार परहाते, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मुलताई श्री घनश्याम घिघोडे, फसल बीमा के तहसील प्रतिनिधि श्री सचिन झाडे एवं दीपान्शु हरोड़े द्वारा ग्राम परमंडल के कृषक श्री भारत चौहान, श्री किशोरी झाड़े, श्री तिलकचन्द्र बोरबन एवं ग्राम बाडेगांव के कृषक श्री राजेश चौरे के खेतों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि सोयाबीन फसल में अतिवर्षा के कारण जड़ एवं तना सड़न एवं अन्य फफून्द जनित रोग तथा तना मक्खी के कारण फसल पीली दिखाई दे रही है। पीला मोजेक रोग का प्रकोप बहुत कम है। केंद्र के वैज्ञानिक श्री आरडी बारपेटे ने किसानों को बताया कि सोयाबीन फसल में पीला मोजेक रोग सफेद मक्खी से फैलता है। प्रारंभिक अवस्था में ही इस रोग के लक्षण पौधों पर दिखाई देने पर रोगग्रस्त पौधों को जड़ से उखाड़ कर खेत से बाहर कर देना चाहिए। सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए कीटनाशक थायोमिथोक्सम लेम्डा सायहेलोथ्रिन 125 मिली/हेक्टेयर या बीटासायफ्लुथ्रिन+ इमिडाक्लोप्रिड 350 मिली/हेक्टेयर का छिड़काव करें।

इटारसी में 'नमो फिट इंडिया' साइकिल रैली का धमाकेदार आयोजन

एसडीएम टी. प्रतीक राव ने 3.5 किमी साइकिल चलाकर बढ़ाया युवाओं का हौसला

नर्मदापुरम (निप्र)। इटारसी में 'नमो फिट इंडिया - संडेज़ ऑन साइकिल' अभियान के तहत रविवार, 14 सितम्बर 2025 को एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली में शहर और आसपास के क्षेत्रों से 400 से अधिक साइकिलिस्टों ने भाग लेकर फिटनेस और स्वास्थ्य का संदेश दिया। आयोजन में एसडीएम टी. प्रतीक राव, आईएएस स्वयं भी साइकिल रैली में शामिल हुए और पूरे 3.5 किलोमीटर तक साइकिल चलाकर युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उनके नेतृत्व और सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान रैली के सफल संचालन में सीपीई इंडियन आर्मी, एवं शासकीय विभागों, पुलिस प्रशासन नगर पालिका कार्यालय का भी विशेष सहयोग रहा। आयोजन की जिम्मेदारी भोपाल जिला साइक्लिंग एसोसिएशन (बीडीसीए) ने निभाई। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजन में टी-शर्ट, रिफ्रेशमेंट, जुम्बा डांस, एक्शन फ़ोटोग्राफ्स और सबसे महत्वपूर्ण निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर बीडीसीए के सचिव डॉ. विशाल सिंह सेंगर ने कहा - नमो फिट इंडिया मूवमेंट युवाओं और समाज को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का अद्वितीय अभियान है। इस तरह के आयोजनों से फिटनेस की आदत विकसित होती है और खेलों के प्रति नई पीढ़ी का उत्साह बढ़ता है। एमटीबी साइक्लिंग कोच एवं बीडीसीए कोषाध्यक्ष श्री शुभम सिंह ठाकुर ने कहा - इस साइकिल रैली का मुख्य उद्देश्य फिटनेस के साथ-साथ उन नए प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करना है, जो भविष्य में प्रोफेशनल साइक्लिंग के क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर सकें। तहसीलदार शक्ति तोमर ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इटारसी जैसी जगह पर इस स्तर की साइकिल रैली होना गर्व की बात है। डायरेक्टर डॉ राकेश पांडे के द्वारा कार्यक्रम में मौजूद एसडीएम टी प्रतीक राव, तहसीलदार शक्ति सिंह तोमर, सिटी थाने के उप निरीक्षक के एन रजक को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। यह साइकिल रैली न केवल शहरवासियों के लिए प्रेरणादायक रही बल्कि फिटनेस और 'फिट इंडिया मूवमेंट' को गति देने में भी मील का पत्थर साबित हुई। इस अवसर पर विशाल रैली में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के साथ ही विभिन्न शासकीय विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।

राइट क्लिक

‘हैंड शेक स्ट्राइक’...पहले बल्ले से ठुकाई फिर जज्बात से धुलाई!

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क- 9893699939
ajaybokil@gmail.com

नामुराद पाकिस्तान पर भारत की अब यह खेल मैदान में चौथी ‘हैंड शेक स्ट्राइक’ है। यानी सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर के बाद हलवाई स्ट्राइक और अब हैंड शेक स्ट्राइक। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पहले भारतीय टीम ने पाक टीम को 7 विकेट से धोया और फिर पारंपरिक सौजन्य को बाउंड्री से बाहर कर भारतीय कप्तान ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से हाथ तक न मिलाया। संदेश साफ था कि जब सामने वाले के दिल में काला हो तो अपने हाथ भी क्यों खराब किए जाएं। कुछ लोग इसे भारत की ‘स्पोर्टिंग डिप्लोमेसी’ (खेल कूटनीति) भी मान रहे हैं तो आलोचकों का तर्क है कि हमारी विदेश नीति की कमजोरी को नई खेल कूटनीति से पाटा जा रहा है। जो भी हो, दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत पाक मैच के बाद इस अप्रत्याशित ‘हैंड शेक स्ट्राइक’ से बौखलाए पाकिस्तानी टीम के कप्तान सलमान आगा ने मैच के उपरांत माइक पर आने से परहेज किया और पाक क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी में अपील कर इस घटनाक्रम के लिए मैच के रैफरी को दोषी मानते हुए टूर्नामेंट से हटाने की मांग की, जिसे अपेक्षानुरूप आईसीसी ने खारिज कर दिया। हालांकि इतनी बेइज्जती के बाद पाक टीम टूर्नामेंट छोड़ने की धमकी दे रही है, हकीकत में ऐसा होने की संभावना कम है।

रहा सवाल बौखलाए पाकिस्तान द्वारा रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को टूर्नामेंट से हटाने का तो यह मांग बेतुकी ही थी। रेफरी का काम मैच के दौरान खेल नियमों के मुताबिक निर्णय देना है न कि प्रतिद्वंद्वी टीमों के कप्तानों के हाथ मिलवाना। हाथ मिलाना सौजन्य की परंपरा है, खेल रणनीति या दांव-पेंच का हिस्सा नहीं। वैसे जानकारों का यह भी कहना है कि एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के कुछ अधिकारी, जिनमें पीसीबी (पाक क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के डायरेक्टर भी शामिल थे, को पहले से पता था कि दोनों कप्तान मैच के बाद हैंडशेक नहीं करेंगे। इसके बावजूद पीसीबी और उसके अध्यक्ष मोहसिन रजा नकवी, जो एसीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने बखेड़ा खड़ा किया। पीसीबी की लिखित शिकायत के मुताबिक रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा को सुझाव दिया था कि वे सूर्यकुमार यादव से हाथ न मिलाएं। ऐसा करना आचार संहिता का उल्लंघन है। लेकिन जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी ने जांच के बाद पीसीबी की मांग को खारिज कर दिया। हालांकि इसके बाद तिलमिलाए पाक ने अपना गुस्सा अपने इंटरनेशनल क्रिकेट ऑपरेशंस के डायरेक्टर उस्मान वहला को निलंबित कर उतारा। कहा गया कि उस्मान हैंडशेक विवाद पर समय रहते कदम नहीं उठा पाए।

पाक टीम से हाथ मिलाने से इंकार, इस मैच के पहले भारत-पाक मैच की मुखालिफत करने वालों को भी संदेश है कि मैच भले खेल भावना को कायम रखने के लिए खेला गया, लेकिन जीत हासिल होने के बाद हाथ मिलाने की कोई मुरव्वत नहीं की गई। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि हम खिलाड़ी हैं, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में हुए आतंकी हमले में षड्यंत्रपूर्वक मारे गए लोगों के दुख में सहभागी हैं। कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। यह जीत हम देश और भारतीय सेना को समर्पित करते हैं। सोशल मीडिया पर लोग इसे भारत का ‘साइलेंट बॉयकॉट’ (सांकेतिक बहिष्कार) बता रहे हैं। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने ड्रेसिंग रूम भी भीतर से बंद कर लिया। उधर हार के मारे पाक खिलाड़ी बाहर मैदान पर इंतजार ही करते रहे।

भारतीय टीम द्वारा विरोध और दिली जज्बे के इजहार का यह तरीका एकदम अलग और सुनियोजित था। यानी पहले बल्ले से ठुकाई और बाद में जज्बात से धुलाई। हालांकि बहुत से लोगों को लगता था कि ऑपरेशन सिंदूर का रंग पोंछे हुए अभी 6 महीने भी नहीं कि दुश्मन पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना कौन सी इंसानियत है, कौन सी खेल भावना है। सौहार्द्र का जवाब अगर सामने वाला संगीनों से दे तो काहे की आपसदारी? ऐसे दुश्मन का, भले ही वो पड़ोसी क्यों न हो, हर मंच, हर मौके और हर कीमत पर बहिष्कार करना ही विरोध का श्रेष्ठ तरीका है। पाक के साथ खेलना अपने गुस्से पर खुद ही मरहम लगाने जैसा होगा। कहा तो यह भी गया कि बीसीसीआई ने एशिया कप से होने वाली कमाई के लालच में पाक के साथ खेलने से परहेज नहीं किया (इस बारे में बताया जाता है कि बीसीसीआई एसीसी की कमाई में हिस्सा नहीं लेती। यह कमाई दूसरे देशों के क्रिकेट कंट्रोल बोर्डों के बीच बराबर बंटती है)। इससे भी बढ़कर हैरानी यह थी कि हर मुनासिब मौके पर पाक को कोसने वाली मोदी सरकार ने भी इस तरह खेलने को मंजूरी कैसे दे दी जबकि खुद मोदी ने शंघाई सहयोग सम्मेलन में पाक पीएम शहबाज शरीफ से हाथ मिलाना तो दूर, उनकी तरफ देखा तक नहीं। जबकि यहां भारतीय टीम पैड बांधकर पाक के साथ खेलने पिच पर उतर गई थी।

दरअसल एशिया कप के दौरान दुबई की रेतीली जमीन पर घटा यह एपीसोड एक पूर्व नियोजित मिस्ट्री स्क्रिप्ट की तरह था। भारतीय क्रिकेट टीम मानों ऑपरेशन सिंदूर का बदला अपने तरीके से लेने दुबई गई थी। वो शानदार तरीके से भिड़ी और जीत का परचम अपने नाम किया। हकीकत में भारतीय टीम को पाक के साथ खेलने की मंजूरी को ही पाकिस्तान ने अपनी आधी जीत मान लिया था। समझ लिया था कि गेंद और बल्ले का यह मुकाबला आंतकियों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के त्रासद नरसंहार की पीड़ा को हल्के में बदल देगा। मैच कोई जीते या हारे, पाकिस्तान गाल बजाता फिरेगा कि वह भारत को फिर दोस्ती के पिच पर ले आया है। यही वही ‘टर्निंग पॉइंट’ होता, जिसे भारत को माइनस करना था और उसने किया। बाद में खुलासा हो गया कि मैच के बाद पाक कप्तान से हाथ न मिलाने का फैसला, टीम, मैनेजमेंट, कोच और परोक्ष रूप से भारत सरकार का था कि पाक को उसकी औकात दिखा दी जाए। हालांकि इसमें खतरा यह भी था कि भारतीय टीम के रणबांकुरे अगर मैच हार जाते तो क्या होता? क्या यह एपीसोड हो पाता? उस स्थिति में भारतीय कप्तान का पाक कैप्टन से हस्तांदोलन न करना अशिष्टता और ग्लानिवश समझा जाता। लेकिन भारतीय टीम ने वह अप्रिय क्षण आने ही नहीं दिया।

दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर मैच के पश्चात पांच मिनट में घटे उस घटनाक्रम ने मानो सदियों का इतिहास लिख डाला। क्योंकि खेल में भौतिक जीत को नैतिक जीत से अलग नहीं किया जा सकता। किसी भी खेल में मैच समाप्ति के बाद प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का हाथ मिलाना केवल इस सौजन्य का प्रतीक है कि खेल में हारजीत चलती रहती है, लेकिन दिलों का रिश्ता कायम रहना चाहिए। लेकिन इसका औचित्य तभी है, जब रिश्तों की पवित्रता और विश्वास कायम रखने का प्रयास दोनो तरफ से हो। आज दुनिया में हाथ मिलाना सौजन्य का वैश्विक प्रतीक है। इसकी शुरूआत तो पश्चिम से हुई, लेकिन अब हाथ मिलाना शिष्टाचार की पहचान बन गया है। हालांकि भारतीय परंपरा में हाथ मिलाना कभी भी सौजन्य, स्नेह और आदर का परिचायक नहीं रहा। यहां पैर छूना आदर का प्रतीक और हाथ जोड़ना सौजन्य का प्रतीक है। यह अलग बात है कि देश में हाथ मिलाने की संस्कृति लोकप्रिय होने के बाद ‘हाथ जोड़ लेना’ भी व्यंग्यात्मक मुहावरा बन गया। कई देशों में हाथ मिलाने से ज्यादा गले मिलना महत्वपूर्ण माना जाता है।

वैसे दुनिया में हाथ मिलाने को विश्व शांति और मानवीय भाई चारे के रूप में भी देखा जाता है। अब तक लोगों से हाथ मिलाने का सबसे लंबा रिकॉर्ड यूएई के अबू धाबी में 29 जनवरी 2020 को बना, जब वहां के उम्म अल इमरत पार्क में 1817 लोगों ने हाथ मिलाए। इसका आयोजन अबू धाबी पुलिस ने विश्व शांति, साहचर्य और मानव बंधुत्व के दस्तावेज पर हस्ताक्षर की पहली सालगिरह पर किया था। लेकिन रिकॉर्ड बनाने की नीयत से हाथ मिलाना अलग बात है और जज्बात को अभिव्यक्त करने के लिए हाथ मिलाना दूसरी बात। हाथ और दिल का एक होना परस्पर स्नेहाकांक्षा का प्रतीक है, बशर्ते कि वैसा हो। अगर शायर शाहिद कबीर के लफ्जों में कहें तो ‘दिल से मिलने की तमन्ना ही नहीं जब दिल में
हाथ से हाथ मिलाने की ज़रूरत क्या है..।’

भोपाल में प्रदेश भर के अतिथि शिक्षकों का प्रदर्शन

महिला अतिथि शिक्षक बोलीं- लाड़ली बहनों को फ्री में पैसा बांट रहे, हम अपनी मेहनत का मांग रहे

भोपाल (नप्र)। प्रदेश भर के हजारों अतिथि शिक्षकों ने मंगलवार को राजधानी के आंबेडकर मैदान, तुलसी नगर में नियमितीकरण, अवकाश समेत अलग-अलग मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। आयोजित सभा में प्रदेश भर से आए अतिथि शिक्षकों ने कहा है कि सरकार लाड़ली बहनों को फ्री में करोड़ों रुपए बांट रही है, लेकिन हम अतिथि शिक्षक मेहनत करते हैं और मेहनत के बदले सुविधा मांग रहे हैं तो नहीं दी जा रही है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कहते कि अतिथि शिक्षकों के लिए सड़कों पर उतरेंगे और राजगद्दी पर बैठ गए हैं। पूर्व सीएम शिवराज ने भी ठगने का काम किया है।

यह प्रदर्शन गुरु दक्षिणा कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य सरकार का ध्यान अतिथि शिक्षकों की समस्याओं की ओर आकर्षित करना था। इस कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को भी आमंत्रित किया गया था, जिनके समक्ष अतिथि शिक्षक अपनी मांगें रखने वाले थे। हालांकि मंत्री इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि जिस प्रकार पूर्व में गुरुजी शिक्षकों को नियमित किया गया था, उसी तर्ज पर अतिथि शिक्षकों के लिए भी एक स्पष्ट नीति बनाकर उन्हें स्थायीत्व प्रदान किया जाए।

यह बोले अतिथि शिक्षक

कटनी के अतिथि शिक्षक माजिद खान ने कहा कि अब तो इंटरनेट कंपनी 28 दिन का महीना मानती हैं और साल भर में 13 महीने बनाकर जनता का पैसा वसूलती है। दूसरी ओर, हमारी सरकार ने अतिथि शिक्षकों के लिए सालभर में 10 महीने तय कर दिए हैं। हमारी मांग है कि साल भर का काम मिले और अतिथि शिक्षकों को 62 वर्ष की उम्र तक काम दिया जाए।महिला अतिथि शिक्षक ने कहा कि 2007 से आज तक अतिथि शिक्षक के रूप में काम कर रहे हैं। अतिथि शिक्षकों की स्थिति मजदूरों से बदतर है। हमारे पढ़ाए बच्चे आज आफिसर बन रहे हैं और सेना तथा अन्य स्थानों पर ऊंचे पदों पर हैं, जबकि हम संघर्ष ही कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कहते थे कि अतिथि शिक्षकों के लिए सड़कों पर उतरेंगे और आज वे राजगद्दी पर बैठ गए हैं। महिला अतिथि शिक्षक ने कहा कि अगर अतिथि शिक्षक आत्महत्या कर लें तो इसकी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। एक अन्य महिला अतिथि शिक्षक ने कहा कि उनकी मांग नियमित किए जाने की है। पांढुर्णा से आए अतिथि शिक्षक ने कहा कि 18 साल से अतिथि शिक्षक हैं। हमें नियमित किया जाए और 62 साल तक सेवा तय की जाए।

संघ की ये हैं प्रमुख मांगें

आजाद अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष पुष्कर (सिंगरौली) ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए पुलिस ने जो एनओसी दी है, उसमें स्पष्ट किया गया है कि आयोजक केवल निर्धारित कार्यक्रम के लिए ही स्थल का उपयोग कर सकते हैं।

अतिथि शिक्षक समन्वय संघ के प्रतिनिधि सुनील सिंह परिहार ने कहा कि इस आयोजन में प्रदेश भर से अतिथि शिक्षक शामिल हुए हैं। संघ की ओर से स्कूल शिक्षा मंत्री को एक प्रस्ताव सौंपा जाएगा, जिसमें मुख्य रूप से निम्न मांगें रखी जाएंगी।

अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित किया जाए- सीधी भर्ती, प्रमोशन या अन्य माध्यमों से किसी शिक्षक की नियुक्ति होने पर वर्षों से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को सेवा से बाहर न किया जाए।

18 सालों से सेवा दे रहे अनेक अतिथि शिक्षकों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बाहर कर दिया जाता है, जो अनुचित है।

अतिथि शिक्षकों के लिए भी नियमित शिक्षकों की तरह अवकाश नीति लागू की जाए।

पीएम को राज्यपाल ने दी जन्मदिन पर शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने जन्मदिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को विश्व क्षितिज पर सूर्य की भांति प्रकाश और ऊर्जा के पुंज के रूप में देखकर, हम सभी देशवासी गौरवान्वित हैं। दुनिया के विजनरी और लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री मोदी जी 21वीं सदी के भारत में सांस्कृतिक विरासत और नागरिक चेतना के अग्रदूत है। उनके नेतृत्व में आत्मनिर्भर, सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत हर देशवासी का संकल्प बन गया है। सबका साथ-सबका विश्वास के साथ विकास के पथ पर देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा देश को ज्ञान का सुपर पॉवर बनाने का कार्य प्रगतिरत है। राज्यपाल श्री पटेल ने शुभकामना संदेश में मोदी जी के स्वस्थ और दीर्घ जीवन की कामना की है।

सीजेआई बोले- जाओ, भगवान से ही कुछ करने को कहो

खजुराहो के वामन मंदिर में खंडित विष्णु मूर्ति बदलने की याचिका खारिज

खजुराहो (नप्र)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को खजुराहो के जवारी (वामन) मंदिर में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि यह मूर्ति मुगलों के आक्रमणों के दौरान खंडित हो गई थी और तब से यह इसी हालत में है।

याचिकाकर्ता ने श्रद्धालुओं के पूजा करने के अधिकार की रक्षा करने और मंदिर की पवित्रता को पुनर्जीवित करने के लिए सर्वोच्च अदालत से हस्तक्षेप की मांग की। इस पर सीजेआई बीआर गवई ने कहा- जाओ और देवता से खुद कुछ करने के लिए कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो तो जाओ और प्रार्थना करो। यह एक पुरातात्विक स्थल है और एएसआई को अनुमति देनी होगी। माफ करना...।

वहीं, मामले में याचिकाकर्ता राकेश दलाल ने इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए इसे अपनी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया है। राकेश के मुताबिक, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रतिमा जिस स्थिति में है, उसी में रहेगी। भक्तों को पूजा करनी है तो वे दूसरे मंदिर जा सकते हैं।

बीजेपी सरकार होने के बावजूद यह स्थिति दुखद

याचिकाकर्ता राकेश दलाल ने बताया कि उन्होंने 13 जून को यह जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें मुगलों के आक्रमण के दौरान खंडित हुई इस मूर्ति को बदलकर नई मूर्ति स्थापित करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उन्होंने निराशा जताई।

जीर्णोद्धार की मांग, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन भी किया था

जवारी मंदिर के गर्भगृह में स्थापित भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची मूर्ति का सिर नहीं है। कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने इसके जीर्णोद्धार की मांग उठाई है। राकेश दलाल ने इस मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन भी किया था और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ज्ञापन सौंपा था।

कोलार रोड पर पेड़ काटने पर एनजीटी की आपत्ति

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार सिक्सलेन के निर्माण में कुल 4105 पेड़ों की कटाई का मामला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में पहुंचा है। एनजीटी ने पेड़ काटने पर आपत्ति ली है और अगले 2 सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। 10 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। पेड़ काटे जाने के मामले में एनजीटी में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया कि हॉर्टिकल्चर असिस्टेंट कमिश्नर द्वारा दी गई अनुमति अवैध है। इस पर भोपाल नगर निगम के अफसरों ने कहा कि आदेश ट्री ऑफिसर ने ही दिया था। असिस्टेंट कमिश्नर ने केवल संप्रेषण किया, लेकिन कोई स्पष्ट आदेश या सोच-विचार का प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। याचिकाकर्ता का तर्क था कि इन पेड़ों के लिए कोई अवैध अनुमति का रिकॉर्ड भी नहीं है। दूसरी ओर, पीडब्ल्यूडी ने स्वीकार किया कि निर्माण पूरा हो चुका है। यानी, पेड़ पहले ही काटे जा चुके हैं।

दो सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा-सभी पहलुओं को सुनने के बाद एनजीटी ने सभी संबंधित विभाग को दो सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। जिसमें ट्री ऑफिसर की अनुमति की प्रति, प्रतिपूरक पौधारोपण के लिए जमा राशि, किए गए पौधारोपण की संख्या और बचे पेड़ों की संख्या शामिल हैं।

इंदौर हादसे पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, पुलिस कमिश्नर को किया तलब, 23 को सुनवाई

इंदौर। इंदौर में सोमवार शाम तेज रफ्तार ट्रक करीब एक किलोमीटर तक कई लोगों और वाहनों को कुचला, टक्कर मार दी। शहर के एयरपोर्ट रोड पर हुए इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं इलाज के दौरान एक और युवक ने दम तोड़ दिया। 12 घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है।

चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने सुमोटो लेते हुए इंदौर पुलिस कमिश्नर को तलब किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई में इंदौर पुलिस कमिश्नर वर्चुअली हाजिर हों और यह बताएं कि शहर में नो-एंट्री रहते हुए ट्रक कैसे घुस गया। हाईकोर्ट ने मामले पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। 23 सितंबर को अगली सुनवाई होगी।

सरकारी स्कूल के 50 विद्यार्थी उद्यमशीलता का लेंगे प्रशिक्षण

भोपाल (नप्र)। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 50 मेधावी विद्यार्थी 22 सितम्बर से उद्यमशीलता रोमांच शिविर में शामिल होंगे। यह शिविर भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित एनसीईआरटी परिसर के पं. सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षण संस्थान में 26 सितम्बर तक आयोजित होगा। इन विद्यार्थियों का चयन जिला स्तर पर आयोजित वोकेशनल स्किल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

उद्यमशीलता रोमांच शिविर कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिये विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और उद्यमशील सोच को विकसित करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों में व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार की सिफारिश की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा देने के विस्तार किया है।

शिविर की गतिविधियां

उद्यमशीलता रोमांच शिविर में समूह गतिविधियां, सिमुलेशन गेम्स, इस गेम्स के माध्यम से बच्चों को व्यावसायिक मॉडल के माध्यम से नये विचार देने, निर्णय लेने और पूर्वानुमान की क्षमता को विकसित किया जाता है।

शिविर में हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से विभिन्न सत्रों में बच्चों को जानकारी दी जायेगी। बच्चों में आत्मनिरीक्षण की प्रवृत्ति को बढ़ाने लक्ष्य निर्धारण और जीवन कौशल विकास के लिये विशेष जानकारी दी जायेगी। यह शिविर बच्चों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, जहां वे अपने विचारों को परिष्कृत करके स्वयं का उद्यम लगाने के लिये प्रोत्साहित होंगे।

सीधी में पति ने बेसबॉल बैट से हमला किया, बेटी बोली- मां ने खाना नहीं बनाया, इसलिए मार डाला

लेडी हेड कॉन्स्टेबल की पीट-पीटकर हत्या

सीधी (नप्र)। सीधी में लेडी हेड कॉन्स्टेबल की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पति ने विवाद के बाद बेसबॉल बैट से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

घटना सोमवार रात करीब 11 बजे की है। पुलिस ने बताया कि हेड कॉन्स्टेबल सबिता साकेत (38) और उनके पति वीरेंद्र साकेत (40) का लंबे समय से विवाद चल रहा था। सोमवार रात भी दोनों का झगड़ा हुआ। इसी दौरान वीरेंद्र ने सबिता पर हमला कर दिया। गंभीर चोट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सबिता कमर्जी थाने में पदस्थ थीं और पति के साथ पुलिस लाइन में रहती थीं।

बेटी से बात कर रही थी, तभी हुआ झगड़ा- सबिता और वीरेंद्र की शादी को 26 साल हो गए हैं। दोनों का एक बेटा (24) और बेटी (20) है। बेटी ने बताया, भाई भोपाल में रहकर पढ़ाई कर रहा है।

कल रात मैं नानी के घर थी। रात में मां से फोन पर बात कर रही थी। इसी दौरान खाना नहीं बनाने को लेकर मां और पापा में झगड़ा हुआ। मैं फोन सब सुन रही थी। पापा ने मां की हत्या कर दी। इसके बाद मैंने पुलिस को सूचना दी।

रात 9 बजे ड्यूटी से लौटी थी सबिता- कमर्जी थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी ने बताया कि सोमवार रात 9 बजे तक सबिता ने ड्यूटी की और घर चली गई थी। उसके पति की खुद की गाड़ी थी, जिसे उसने जल संसाधन विकास में लगाया है। जहां वह ड्राइवर का काम करता है।

सुबह पुलिस को जानकारी मिली- मंगलवार सुबह पुलिस को सूचना मिली। कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और इलाके को सील कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

राजकीय सम्मान के साथ विदा किया- इस घटना से परिवार के साथ ही पुलिस महकमे में शोक की लहर है। डीआईजी हेमंत चौहान ने बताया, हमारे पुलिस विभाग के लिए यह अपूर्णिय क्षति है। हमने पीड़ित परिवार को तात्कालिक 1 लाख रुपए की सहायता राशि उपलब्ध करा दी है। हेड कॉन्स्टेबल को राजकीय सम्मान के साथ विदा किया गया है।

डीआईजी ने बताया कि एसपी ने पूरे जिले में नाकाबंदी करवा दी है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी पहले भी पत्नी से मारपीट किया करता था। इसे लेकर किसी प्रकार की शिकायत मिली थी या नहीं, इसका पता कराएंगे।

अस्पतालों में आज से चलेगा साफ-सफाई का विशेष अभियान : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेज और जिलों में स्थित प्रमुख चिकित्सालयों में सेवा पर्व और सेवा पखवाड़े के तहत 17 सितम्बर से साफ-सफाई का व्यापक अभियान चलाने के निर्देश जिला कलेक्टर्स को दिये हैं। अभियान के तहत कचरे और अनुपयोगी सामग्री को भी प्राथमिकता से हटाया जायेगा। सेवा पर्व को सार्थक बनाने के लिए प्रदेश की सामाजिक संस्थाओं से भी सहयोग की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं संभागीय कमिश्नर को भी निर्देशित किया है कि वे सफाई अभियान का निरीक्षण और निगरानी करें। मंत्री, सांसद एवं विधायकगण से भी अनुरोध किया है कि वे साफ-सफाई अभियान का निरीक्षण कर आमजन और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी प्रोत्साहित करें।